Drishti IAS Presents...

PT SPRINT 2023

शासन व्यवस्था तथा सामाजिक न्याय

(मार्च 2022 – मार्च 2023)

Detailed Explanation

Drishti IAS, 641, Mukherjee Nagar, Opp. Signature View Apartment, New Delhi

Drishti IAS, 21 Pusa Road, Karol Bagh New Delhi - 05

Drishti IAS, Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj, Uttar Pradesh

Drishti IAS, Tonk Road, Vasundhra Colony, Jaipur, Rajasthan

e-mail: englishsupport@groupdrishti.com, Website: www.drishtiias.com
Contact: 011430665089, 7669806814, 8010440440

उत्तर

1.

उत्तर: D

व्याख्या:

- DPI:
  - DPIs लोगों, धन और सूचना के प्रवाह में मध्यस्थता करते हैं। पहले एक डिजिटल ID प्रणाली के माध्यम से लोगों का प्रवाह। दूसरा रियल-टाइम त्वरित भुगतान प्रणाली के माध्यम से धन का प्रवाह और तीसरा DPI के लाभों को प्राप्त करने एवं डेटा को नियंत्रित करने की वास्तविक क्षमता के साथ नागरिकों को सशक्त बनाने के लिये सहमति-आधारित डेटा साझाकरण प्रणाली के माध्यम से व्यक्तिगत जानकारी का प्रवाह। अत: कथन 1 सही है।
  - ये तीन सेट एक प्रभावी DPI पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के आधार हैं।
  - प्रत्येक DPI स्तर एक स्पष्ट आवश्यकता को पूरा करती है और विभिन्न क्षेत्रों में लिये बहुत उपयोगी है।
  - हालाँकि, भौतिक बुनियादी ढाँचे के संदर्भ में, यह महत्त्वपूर्ण है कि DPI एकाधिकार, अधिनायकवाद और डिजिटल उपनिवेशवाद के आगे न झुकें। अत: कथन 2 सही है।
  - भारत, इंडिया स्टैक के माध्यम से सभी तीन मूलभूत DPI- डिजिटल पहचान (आधार), रीयल-टाइम फास्ट पेमेंट (UPI) और डेटा एम्पावरमेंट प्रोटेक्शन आर्किटेक्चर (DEPA) पर निर्मित अकाउंट एग्रीगेटर विकसित करने वाला पहला देश बन गया। अत: कथन 3 सही है।
    - DEPA एक डिजिटल ढाँचा का निर्माण करता है जो उपयोगकर्त्ताओं को एक तृतीय-पक्ष इकाई के माध्यम से अपने डेटा को अपनी शर्तों पर साझा करने की अनुमति देता है, जिन्हें कंसेंट मैनेजर के रूप में जाना जाता है।

2.

उत्तर: D

व्याख्या:

जमानत और इसके प्रकार:

- परिभाषा: जमानत कानूनी हिरासत में रखे गए व्यक्ति को, जब भी आवश्यक हो न्यायालय में उपस्थित होने के वादे के साथ, सशर्त/अनंतिम रिहाई है (ऐसे मामलों जिनमें न्यायालय द्वारा निर्णय सुनाया जाना बाकी है)। यह न्यायालय में सिक्यूरिटी/कोलैटरल जमा करने की आवश्यकता को दर्शाता है।
  - कानूनी मामलों के अधीक्षक और रिमेंबरेंसर बनाम अमिय कुमार रॉय चौधरी (1973) मामले में कलकत्ता उच्च न्यायालय ने जमानत देने के सिद्धांत की व्याख्या की है।
- भारत में जमानत के प्रकार:
  - नियमित जमानत: यह न्यायालय (देश के भीतर किसी भी न्यायालय) द्वारा दिया गया एक निर्देश है जो पहले से ही गिरफ्तार और पुलिस हिरासत में रखे गए व्यक्ति को रिहा करने हेतु उपलब्ध है। ऐसी जमानत के लिये व्यक्ति CrPC की धारा 437 तथा 439 के तहत आवेदन दाखिल कर सकता है। अत: कथन 1 सही है।
  - अंतरिम जमानत: न्यायालय द्वारा अस्थायी और अल्प अवधि हेतु जमानत दी जाती है, यह जमानत तब तक दी जा सकती है जब तक कि नियमित या अग्रिम जमानत हेतु आवेदन न्यायालय के समक्ष लंबित नहीं होता है। अत: कथन 2 सही है।
  - अग्रिम जमानत या पूर्व-गिरफ्तारी जमानत: यह एक कानूनी प्रावधान है जो आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार होने से पहले जमानत हेतु आवेदन करने की अनुमति देता है। भारत में पूर्व-गिरफ्तारी जमानत का प्रावधान दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 438 में किया गया है। इसे केवल सत्र न्यायालय और उच्च न्यायालय द्वारा दिया जाता है। अत: कथन 3 सही है।
- अग्रिम जमानत का प्रावधान विवेकाधीन है तथा न्यायालय अपराध की प्रकृति और गंभीरता, आरोपी के पूर्ववृत्त एवं अन्य प्रासंगिक कारकों पर विचार करने के बाद जमानत दे सकती है। न्यायालय जमानत देते समय कुछ शर्तें भी लगा सकता है, जिसमें पासपोर्ट ज़ब्त करना, देश छोड़ने पर प्रतिबंध या पुलिस स्टेशन में नियमित रूप से रिपोर्ट करना आदि शामिल हैं।

3.

उत्तर: A

व्याख्या:

- रोम संविधि वह संधि है जिसने अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (ICC) की स्थापना की। इसे 17 जुलाई, 1998 को रोम, इटली में एक राजनयिक सम्मेलन में अपनाया गया था और यह 1 जुलाई, 2002 को लागू हुई। अत: कथन 1 सही है।
- ICC एक स्वतंत्र अंतर्राष्ट्रीय संगठन है, ICC अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के विपरीत संयुक्त राष्ट्र प्रणाली का हिस्सा नहीं है। यह नरसंहार, युद्ध अपराध, मानवता के खिलाफ अपराध और आक्रामकता के अपराधों सहित विश्व समुदाय हेतु चिंता के सबसे गंभीर अपराधों के आरोपी व्यक्तियों पर कार्यवाही करता है, वारंट जारी करता है एवं उन पर मुकदमा चलाता है। अत: कथन 2 सही नहीं है।

4.

उत्तर: A

व्याख्या:

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF):

- CISF भारत में सात केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में से एक है और विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, विमानपत्तनों और अन्य महत्त्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को सुरक्षा प्रदान करने के लिये ज़िम्मेदार है। अत: कथन 1 सही है।
  - BSF में एयर विंग, मरीन विंग, आर्टिलरी रेजिमेंट और कमांडो यूनिट हैं। यह वर्त्तमान में विश्व का सबसे बड़ा सीमा सुरक्षा बल है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- CISF की स्थापना 10 मार्च, 1969 को भारत की संसद के अधिनियम के तहत की गई थी। तब से प्रत्येक वर्ष 10 मार्च को CISF स्थापना दिवस मनाया जाता है। हालाँकि 2023 में तिथि को संशोधित (12 मार्च) किया गया।

5.

उत्तर: B

व्याख्या:

- CrPC राज्य सरकार द्वारा लोक अभियोजकों की नियुक्ति का प्रावधान करता है, लेकिन CrPC में उनके निष्कासन का उल्लेख नहीं है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- CrPC की धारा 177 में प्रावधान है कि प्रत्येक अपराध की आमतौर पर जाँच की जाएगी और उस पर सुनवाई एक न्यायालय द्वारा की जाएगी, जिसके स्थानीय अधिकार क्षेत्र के भीतर यह अपराध हुआ था।
- हालाँकि कुछ मामलों में न्यायालय का अधिकार क्षेत्र उस स्थान द्वारा निर्धारित किया जा सकता है जहाँ आरोपी व्यक्ति निवास करता है या वह स्थान जहाँ पीड़ित निवास करता है। अत: कथन 2 सही है।

6.

उत्तर: B

व्याख्या:

  - रायसीना डायलॉग के बारे में:
  - रायसीना डायलॉग भू-राजनीति और भू-अर्थशास्त्र पर भारत का प्रमुख सम्मेलन है जो वैश्विक समुदाय के सामने सबसे चुनौतीपूर्ण मुद्दों को संबोधित करने के लिये प्रतिबद्ध है।
  - सम्मेलन की मेज़बानी आब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन द्वारा विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के साथ साझेदारी में की गई है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
  - वर्ष 2023 में यह "उत्तेजना, अनिश्चितता, अशांति: लाइटहाउस इन द टेम्पेस्ट" विषय के माध्यम से दुनिया की स्थिति पर कब्ज़ा करना चाहता है।
    - संवाद को एक बहु-हितधारक, क्रॉस-सेक्टोरल चर्चा के रूप में संरचित किया गया है, जिसमें राज्य के प्रमुख, कैबिनेट मंत्री और स्थानीय सरकारी अधिकारी शामिल हैं, जो निजी क्षेत्र, मीडिया तथा शिक्षा जगत के विचारकों को शामिल करता है। अत: कथन 2 सही है।

7.

उत्तर: C

व्याख्या:

- कोर्ट मार्शल सामान्यत: सैन्य अधिकारियों से बना होता है जो जज और जूरी दोनों के रूप में काम करते हैं। अत: कथन 1 सही है।
- भारत का राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 72 के तहत कोर्ट मार्शल द्वारा दिये गए दंड या सज़ा को क्षमा, परिहार, प्रविलंबन या लघुकरण और विराम हेतु अपनी शक्तियों का उपयोग कर सकता है। अत: कथन 2 सही है।
- भारत में कोर्ट मार्शल से संबंधित कानूनी प्रावधान मुख्य रूप से तीन कानूनों द्वारा शासित हैं:
  - सेना अधिनियम, 1950: भारतीय सेना के सदस्यों पर लागू होता है।
  - नौसेना अधिनियम, 1957: भारतीय नौसेना के सदस्यों पर लागू होता है।
  - वायु सेना अधिनियम, 1950: भारतीय वायु सेना के सदस्यों पर लागू होता है।
- सशस्त्र बल न्यायाधिकरण अधिनियम 2007:
  - इस अधिनियम ने सशस्त्र बल न्यायाधिकरण (AFT) की स्थापना की।
    - AFT भारत में एक अर्द्ध-न्यायिक निकाय है जो सशस्त्र बलों के कर्मियों की सेवा से के मामलों से संबंधित है।
    - कोर्ट मार्शल की कार्यवाही सहित सेवा मामलों से उत्पन्न होने वाले विवादों और अपीलों पर इसका अधिकार क्षेत्र है।

8.

उत्तर: C

व्याख्या:

- आत्म-अभिशंसन से संबंधित संवैधानिक प्रावधान:
  - अनुच्छेद-20 किसी भी अभियुक्त या दोषी करार दिये गए व्यक्ति, चाहे वह देश का नागरिक हो या विदेशी या कंपनी व परिषद का कानूनी व्यक्ति हो, को मनमाने और अतिरिक्त दंड देने से संरक्षण प्रदान करता है। इस संबंध में तीन प्रावधान हैं:

- इसमें कोई पूर्व-कार्योत्तर कानून नहीं, दोहरे दंड का निषेध, कोई आत्म-अभिशंसन नहीं से संबंधित प्रावधान हैं।
- कोई आत्म-अभिशंसन नहीं (No Self-incrimination): किसी अपराध के लिये अभियुक्त द्वारा किसी व्यक्ति को स्वयं के विरुद्ध साक्ष्य देने के लिये बाध्य नहीं किया जाएगा।
- आत्म-अभिशंसन के विरुद्ध सुरक्षा का मौखिक और लिखित साक्ष्य दोनों रूपों में प्रावधान है। अत: कथन 1 सही है।
- हालाँकि यह भौतिक वस्तुओं के अनिवार्य उत्पादन पर लागू नहीं होता है, अत: कथन 2 सही है।
  - अँगूठे का निशान, हस्ताक्षर अथवा रक्त के नमूने देने की बाध्यता
  - शारीरिक अंगों के प्रदर्शन की बाध्यता
  - इसके अलावा यह केवल आपराधिक कार्यवाही तक ही सीमित है, न कि दीवानी कार्यवाही या गैर-आपराधिक प्रकृति की कार्यवाही तक।

9.

उत्तर: B

व्याख्या:

- 'मिशन शक्ति' को 15वें वित्त आयोग की अवधि 2021-22 से 2025-26 के लिये लॉन्च किया गया था।
- मिशन शक्ति एक समेकित महिला सशक्तीकरण कार्यक्रम है जिसे महिलाओं की संरक्षा, सुरक्षा और सशक्तीकरण के लिये एक व्यापक योजना के रूप में शुरू किया गया है।

अत: विकल्प B सही है।

10.

उत्तर: C

व्याख्या:

भारत का विधि आयोग:

- परिचय:
- भारत का विधि आयोग समय-समय पर भारत सरकार द्वारा गठित एक गैर-सांविधिक निकाय है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
  - स्वतंत्र भारत का पहला विधि आयोग वर्ष 1955 में तीन साल के कार्यकाल के लिये स्थापित किया गया था।
  - पहला विधि आयोग वर्ष 1834 में ब्रिटिश शासन काल के दौरान वर्ष 1833 के चार्टर अधिनियम द्वारा स्थापित किया गया था और इसकी अध्यक्षता लॉर्ड मैकाले ने की थी। अत: कथन 2 सही है।
  - उद्देश्य:
- यह कानून और न्याय मंत्रालय के सलाहकार निकाय के रूप में काम करता है।
- विधि आयोग का कार्य कानून संबंधी अनुसंधान और भारत में मौजूदा कानूनों की समीक्षा करना है ताकि इसमें सुधार किया जा सके एवं केंद्र सरकार या स्व-प्रेरणा द्वारा इसके संदर्भ में नए कानून बनाए जा सकें।
  - संघटन:
- एक पूर्णकालिक अध्यक्ष के साथ-साथ आयोग में एक सदस्य-सचिव सहित और चार पूर्णकालिक सदस्य होते हैं।
- कानून मंत्रालय का कानून और विधायी सचिव इस आयोग का पदेन सदस्य होगा।
- इसमें अंशकालिक सदस्यों की संख्या पाँच से अधिक नहीं होगी।।
- सर्वोच्च न्यायालय का सेवानिवृत्त न्यायाधीश या उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश इस आयोग का अध्यक्ष होगा। अत: कथन 3 सही नहीं है।

11.

उत्तर: C

व्याख्या:

विश्व सामाजिक न्याय दिवस :

- प्रत्येक वर्ष 20 फरवरी को विश्व भर में विश्व सामाजिक न्याय दिवस मनाया जाता है।
  - इस वर्ष का विषय "बाधाओं पर काबू पाना एवं सामाजिक न्याय के लिये अवसरों को उजागर करना" है, जो वैश्विक एकजुटता को सशक्त करने तथा सरकार में विश्वास के पुनर्निर्माण हेतु सामान्य एजेंडे पर उपलब्ध सिफारिशों पर केंद्रित है।
- महासभा ने वर्ष 2007 में निर्धारित किया कि प्रतिवर्ष 20 फरवरी को विश्व सामाजिक न्याय दिवस के रूप में मनाया जाएगा। वर्ष 2008 में, अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) ने समान वैश्वीकरण के लिये सामाजिक न्याय पर ILO घोषणा का समर्थन किया।
  - वर्ष 1919 के ILO के संविधान के बाद से यह ILO की सिद्धांतों और नीति की तीसरी बड़ी घोषणा है।
- यह दिन सामाजिक अन्याय के बारे में जागरूकता बढ़ाता है तथा लिंग, आयु, जाति, नस्लवाद, धर्म, संस्कृति या अक्षमता के आधार पर बाधाओं को हटाने के लिये प्रोत्साहित करता है।
- अत: विकल्प C सही है।

12.

उत्तर: C

व्याख्या:

- TRIFED की स्थापना अगस्त 1987 में बहु-राज्य सहकारी समिति अधिनियम, 1984 के तहत भारत सरकार द्वारा एक राष्ट्रीय स्तर की सहकारी संस्था के रूप में की गई थी, जिसका मूल उद्देश्य देश के आदिवासियों का सामाजिक-आर्थिक विकास करना था। अत: कथन 1 सही है।
- आदि महोत्सव कार्यक्रम "शिल्प, संस्कृति, व्यंजन और वाणिज्य का उत्सव" की थीम पर आयोजित किया जाता है।
- आदि महोत्सव आदिवासी कारीगरों, शिल्पकारों और महिलाओं को बड़े मेट्रो शहरों तथा राज्यों की राजधानियों में सीधे बाज़ार से जोड़ता है। यह ट्राइफेड की एक पहल है। अत: कथन 2 सही है।

13.

उत्तर: d

व्याख्या:

- कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ESIC) ने बुनियादी ढाँचे के आधुनिकीकरण के लिये 'निर्माण से शक्ति' नामक एक पहल की शुरुआत की।
- इसमें कर्मचारी राज्य बीमा स्कीम (ESIS) अस्पतालों और औषधालयों का चरणबद्ध उन्नयन/आधुनिकीकरण, बेहतर आधुनिक सुविधाओं वाले 100/200/500 बिस्तरों वाले अस्पतालों के लिये मानक डिज़ाइनों का विकास, परियोजना निगरानी/पर्यवेक्षण के लिये एक ऑनलाइन वास्तविक समय डैशबोर्ड का विकास, निर्माण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिये नई भवन प्रौद्योगिकियों को अपनाना, विलंब को समाप्त करना और लागत में वृद्धि करना, भूमि/संपत्ति दस्तावेज़ो का डिजिटलीकरण आदि शामिल हैं। अत: विकल्प d सही है।

14.

उत्तर: C

व्याख्या:

- हाल ही में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने महाराष्ट्र के नागपुर में विश्व के सबसे बड़े एवं अनोखे दिव्यांग पार्क- अनुभूति समावेशी पार्क की आधारशिला रखी। अत: कथन 1 सही है।
- यह विश्व का पहला समावेशी दिव्यांग पार्क है जिसका निर्माण सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा किया गया है। दिव्यांगों के साथ-साथ आम जनता एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिये विभिन्न परियोजनाओं की परिकल्पना की गई है। अत: कथन 2 सही है।
- पार्क में सभी 21 प्रकार की दिव्यांगताओं हेतु अनुकूलित सुविधाएँ होंगी, इसमें टच एंड स्मेल गार्डन, हाइड्रोथेरेपी यूनिट, वाटर थेरेपी तथा मानसिक रूप से दिव्यांग बच्चों एवं माताओं के लिये स्वतंत्र कक्ष जैसी सुविधाएँ होंगी। अत: विकल्प C सही है।

15.

उत्तर: A

व्याख्या:

मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा (Universal Declaration of Human Rights- UDHR):

- इसके अंतर्गत अधिकारों और स्वतंत्रता से संबंधित कुल 30 अनुच्छेदों को सम्मिलित किया गया है, जिसमें जीवन, स्वतंत्रता और गोपनीयता जैसे नागरिक एवं राजनीतिक अधिकार तथा सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य व शिक्षा जैसे- आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार शामिल हैं।
  - भारत ने मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा (UDHR) के प्रारूपण में सक्रिय भूमिका निभाई है। अत: कथन 1 सही है।
- यह किसी भी प्रकार की संधि नहीं है, अत: यह प्रत्यक्ष तौर पर किसी भी देश के लिये कानूनी दायित्त्व निर्धारित नहीं करता है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा (UDHR), इंटरनेशनल कोवेनंट ऑन सिविल एंड पॉलिटिकल राइट्स, इंटरनेशनल कोवेनंट ऑन इकोनॉमिक, सोशल एंड कल्चर राइट तथा इसके दो वैकल्पिक प्रोटोकॉल्स को संयुक्त रूप से 'अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार विधेयक' (International Bill of Human Rights) के रूप में जाना जाता है।

16.

उत्तर: C

व्याख्या:

- FCI एक सरकारी स्वामित्त्व वाला निगम है जो भारत में खाद्य सुरक्षा प्रणाली का प्रबंधन करता है।
- FCI खाद्य संबंधी कमी या संकट के समय खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये खाद्यान्नों के बफर स्टॉक को भी बनाए रखता है। अत: कथन 1 सही है।
- FCI सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिये पूरे देश में खाद्यान्न वितरण हेतु उत्तरदायी है। अत: कथन 2 सही है।
- FCI ई-नीलामी भी आयोजित करता है जो कि अधिशेष खाद्यान्न से निपटने के तरीकों में से एक है।

17.

उत्तर: B

व्याख्या:

- वर्ष 2012 में POCSO अधिनियम ने सहमति की आयु बढ़ाकर 18 वर्ष कर दी, जो वर्ष 1940 से 16 वर्ष थी। POCSO अधिनियम, 2012 एक बालक को 18 वर्ष से कम आयु के किसी भी व्यक्ति के रूप में परिभाषित करता है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- अधिनियम में बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों की अनिवार्य रिपोर्टिंग और ऐसे अपराधों की रिपोर्ट करने में विफलता के लिये दंड का भी प्रावधान है।
- इस अधिनियम में अधिनियम का कार्यान्वयन सुनिश्चित करने एवं निगरानी के लिये राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग तथा बाल अधिकार संरक्षण हेतु 'राज्य आयोगों' की स्थापना का प्रावधान है। अत: कथन 2 सही है।

18.

उत्तर: B

व्याख्या:

चार्जशीट:

- परिचय:
  - चार्जशीट, जैसा कि धारा 173 CrPC के तहत परिभाषित किया गया है, एक पुलिस अधिकारी या जाँच एजेंसी द्वारा मामले की जाँच पूरी करने के बाद तैयार की गई अंतिम रिपोर्ट है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
    - के वीरास्वामी बनाम भारत संघ और अन्य (1991) मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि चार्जशीट CrPC की धारा 173 (2) के तहत पुलिस अधिकारी की अंतिम रिपोर्ट है।
  - आरोपी के खिलाफ 60-90 दिनों की निर्धारित अवधि के भीतर चार्जशीट दायर की जानी चाहिये, अन्यथा गिरफ्तारी अवैध मानी जाएगी और आरोपी जमानत का हकदार होगा। अत: कथन 2 सही है।
- चार्जशीट में शामिल होना चाहिये:
  - नामों का विवरण, सूचना की प्रकृति और अपराध। अभियुक्त गिरफ्तारी में है, हिरासत में है, या रिहा हो गया है, क्या उसके विरुद्ध कोई कार्यवाही की गई, ये सभी महत्त्वपूर्ण प्रश्न हैं जिनका उत्तर चार्जशीट में दिया जाना चाहिये।
- चार्जशीट दाखिल करने के बाद की प्रक्रिया:
  - चार्जशीट तैयार करने के बाद पुलिस स्टेशन का प्रभारी इसे एक मजिस्ट्रेट को प्रेषित करता है, जिसे इसमें उल्लिखित अपराधों का नोटिस लेने का अधिकार है ताकि आरोप तय किये जा सकें।

19.

उत्तर: D

व्याख्या:

- शिकायतों की पूछताछ करना और निम्नलिखित से संबंधित मामलों का स्वत: संज्ञान लेना:
  - बाल अधिकारों का उल्लंघन और वंचना। अत: कथन 1 सही नहीं है।
  - बच्चों के संरक्षण और विकास हेतु उपलब्ध कानूनों का गैर-कार्यान्वयन।
  - बच्चों की कठिनाइयों को कम करने और उनका कल्याण सुनिश्चित करने एवं ऐसे बच्चों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से नीतिगत निर्णयों, दिशा-निर्देशों या निर्देशों का पालन न करना।
- यह आयोग किसी ऐसे मामले की जाँच नहीं करेगा जो किसी राज्य आयोग या किसी कानून के तहत विधिवत गठित किसी अन्य आयोग के समक्ष लंबित हो। अत: कथन 2 सही नहीं है।

20.

उत्तर: C

व्याख्या:

- गैर-कानूनी गतिविधियाँ रोकथाम अधिनियम (UAPA), 1967 के तहत एक व्यक्ति को आतंकवादी के रूप में नामित किया जा सकता है यदि वह:
  - आतंकवाद के किसी भी कार्य को अंजाम देता है या उसमें भाग लेता है।
  - विभिन्न समूहों के बीच शत्रुता को बढ़ावा देता है।
  - भारत की संप्रभुता और अखंडता के लिये खतरा उत्पन्न करने वाले किसी भी कार्य को करता है या उसमें भाग लेता है।
  - लेकिन रिश्वत से संबंधित किसी भी कार्य को करने या उसका हिस्सेदार बनने के लिये नहीं।
- मूल रूप से 1967 में अधिनियमित UAPA को वर्ष 2004 और वर्ष 2008 में आतंकवाद विरोधी कानून के रूप में संशोधित किया गया था।
- अत: विकल्प C सही है।

21.

उत्तर: C

व्याख्या:

- पीडब्ल्यूडी के अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन, जिसे 2006 में अपनाया गया था, दिव्यांग व्यक्तियों को ऐसे व्यक्तियों के रूप में परिभाषित करता है "जिनके पास दीर्घकालिक शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक या संवेदिक(मस्तिष्क संबंधी) हानि है जो विभिन्न बाधाओं के साथ आपसी क्रिया में दूसरों के साथ समान आधार पर समाज में उनकी पूर्ण और प्रभावी भागीदारी में बाधा उत्पन्न कर सकता है।"

- भारत ने अक्तूबर 2007 में कन्वेंशन की पुष्टि की।
- UNCRPD के तहत दायित्वों को पूरा करने के दृष्टिकोण से संसद ने दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 को अधिनियमित किया है।

22.

उत्तर: B

व्याख्या:

- प्रधानमंत्री वय वंदना योजना 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिये एक पेंशन योजना है।
- 31 मार्च, 2023 तक उपलब्ध यह योजना 7.4% की ब्याज दर प्रदान करती है। वर्तमान परिदृश्य में कोई अन्य योजना या साधन 10 वर्षों की अवधि के लिये इतनी उच्च दर प्रदान नहीं करते हैं।
- यह योजना भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) द्वारा प्रशासित है और इसकी नामित शाखाओं के माध्यम से खरीद के लिये उपलब्ध है।
- अत: विकल्प B सही है।

23.

उत्तर : A

व्याख्या :

- OBC शिक्षा और रोज़गार में सकारात्मक कार्रवाई के लिये भारत सरकार द्वारा पहचाने गए सामाजिक और शैक्षिक रूप से वंचित समुदायों का एक समूह है। अत: विकल्प (A)सही है।
- OBC श्रेणी का विकास:
- वर्ष 1953 में स्थापित कालेलकर आयोग, राष्ट्रीय स्तर पर अनुसूचित जातियों (SC) और अनुसूचित जनजातियों (ST) के अलावा अन्य पिछड़े वर्गों की पहचान करने वाला पहला आयोग था।
- वर्ष 1980 में प्रस्तुत मंडल आयोग की रिपोर्ट में OBC जनसंख्या 52% होने का अनुमान लगाया गया था और 1,257 समुदायों को पिछड़े के रूप में वर्गीकृत किया गया था।
- इसने OBC को शामिल करने के लिये मौजूदा कोटा, जो केवल SC/ST के लिये था, को 22.5% से बढ़ाकर 49.5% करने की सिफारिश की।
- केंद्र सरकार ने OBC के लिये यूनियन सिविल पदों और सेवाओं में 27% सीटें आरक्षित की हैं [अनुच्छेद 16 (4)]। कोटा बाद में केंद्र सरकार के शैक्षणिक संस्थानों में लागू किया गया [अनुच्छेद 15 (4)]।
- वर्ष 2008 में सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार को OBC के बीच क्रीमी लेयर (उन्नत वर्ग) को बाहर करने का निर्देश दिया।
- 102वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2018 ने राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (NCBC) को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया, जो पहले सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के तहत एक वैधानिक निकाय था।

24.

उत्तर C

व्याख्या:

- क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम्स (CCTNS) एक योजना है जिसकी कल्पना एक अनियोजित योजना नामत: कॉमन इंटीग्रेटेड पुलिस एप्लीकेशन (CIPA) के अनुभव के आलोक में की गई है।
- CCTNS, भारत सरकार की राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस योजना (NeGP) के तहत एक मिशन मोड परियोजना है। अत: कथन 1 सही है।
- CCTNS का उद्देश्य ई-गवर्नेंस के सिद्धांत को अपनाकर पुलिसिंग की दक्षता और प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिये एक व्यापक और एकीकृत प्रणाली तैयार करना है।
- यह 'अपराध की जाँच और अपराधियों का पता लगाने' के आसपास IT-सक्षम-अत्याधुनिक ट्रैकिंग सिस्टम के विकास के लिये राष्ट्रव्यापी नेटवर्किंग बुनियादी ढाँचे को बढ़ावा दे रहा है। अत: कथन 2 सही है।

25.

उत्तर: A

व्याख्या:

- ई-संजीवनी देश के डॉक्टरों के मध्य टेलीमेडिसिन सेवा है, जो डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से पारंपरिक प्रत्यक्षत: परामर्श का विकल्प प्रदान करती है।
  - ई-संजीवनी आयुष्मान भारत डिजिटल स्वास्थ्य मिशन (Ayushman Bharat Digital Health Mission- ABDHM) का महत्त्वपूर्ण अंग है और ई-संजीवनी एप्लिकेशन के माध्यम से 45,000 से अधिक आभा संख्या जारी की गई हैं। अत: कथन 1 सही है।
- यह ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में नागरिकों को शामिल करता है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
  - यह स्मार्टफोन, टैबलेट, लैपटॉप के माध्यम से प्रौद्योगिकी का उपयोग करता है, जिससे डॉक्टर के परामर्श को रोगी के निवास स्थान की परवाह किये बिना कहीं भी सुलभ बनाया जा सकता है।
  - ई-संजीवनी OPD ने 2,22,026 विशेषज्ञों, डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशिक्षित किया है और उन्हें इसमें शामिल किया है।

26.

उत्तर: C

व्याख्या:

- भारत की पोषण संबंधी चुनौतियों पर राष्ट्रीय परिषद शीर्ष निकाय का गठन महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (MoWCD) द्वारा किया गया था और इसकी अध्यक्षता नीति आयोग के उपाध्यक्ष द्वारा की जाती है। अत: कथन 1 सही है।
- यह समग्र नीतियों और दिशा-निर्देशों को तैयार करता है और जीवन-चक्र दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए सभी पोषण-आधारित योजनाओं की निगरानी करता है।
- विकास निगरानी उपकरणों की खरीद की निगरानी पोषण अभियान के तहत प्रावधान के अनुसार, राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा स्मार्टफोन और विकास-निगरानी उपकरणों की शीघ्र खरीद भारत की पोषण संबंधी चुनौतियों पर राष्ट्रीय परिषद द्वारा मासिक रूप से की जा रही है। अत: कथन 2 सही है।

27.

उत्तर: A

व्याख्या:

भारत की शरणार्थी नीति:

- भारत में शरणार्थियों की समस्या के समाधान के लिये विशिष्ट कानून का अभाव है, इसके बावजूद उनकी संख्या में लगातार वृद्धि हुई है। अत: कथन 1 सही है।
- इसके वर्ष 1951 के शरणार्थी अभिसमय और वर्ष 1967 के प्रोटोकॉल का पक्षकार नहीं होने के बावजूद भारत में शरणार्थियों की बहुत बड़ी संख्या निवास करती है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- हालाँकि शरणार्थी संरक्षण के मुद्दे पर भारत का शानदार रिकॉर्ड रहा है। भारत में विदेशी लोगों और संस्कृति को आत्मसात करने की एक नैतिक परंपरा है।
  - राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग बनाम स्टेट ऑफ अरुणाचल प्रदेश (1996) मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि "सभी अधिकार नागरिकों के लिये उपलब्ध हैं, जबकि विदेशी नागरिकों सहित सभी व्यक्तियों को समानता का अधिकार और जीवन का अधिकार उपलब्ध है।"
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद- 21 में शरणार्थियों को उनके मूल देश में वापस नहीं भेजे जाने यानी 'नॉन-रिफाउलमेंट' (Non-Refoulement) का अधिकार शामिल है।
  - नॉन-रिफाउलमेंट, अंतर्राष्ट्रीय कानून के अंतर्गत एक सिद्धांत है, जिसके अनुसार अपने देश से उत्पीड़न के कारण भागने वाले व्यक्ति को उसी देश में वापस जाने के लिये मजबूर नहीं किया जाना चाहिये।

28.

उत्तर D

व्याख्या:

- यदि यह संबंधित राज्य विधान सभा के आम चुनाव में राज्य में डाले गए वैध मतों का 6% मत प्राप्त करता है और साथ ही यह उसी राज्य विधान सभा में 2 सीटें जीतता है। अत: कथन 1 सही है।
- यदि यह लोकसभा के आम चुनाव में राज्य में कुल वैध मतों का 6% प्राप्त करता है और साथ ही यह उसी राज्य से लोकसभा में 1 सीट जीतता है। अत: कथन 2 सही है।
- यदि यह संबंधित राज्य की विधानसभा के आम चुनाव में विधान सभा में 3% सीटें जीतता है या विधानसभा में 3 सीटें (जो भी अधिक हो) जीतता है। अत: कथन 3 सही नहीं है।
- यदि यह राज्य या राज्य विधान सभा के लिये लोकसभा के आम चुनाव में राज्य में डाले गए कुल वैध मतों का 8% मत प्राप्त करता है। अत: कथन 4 सही है।

29.

उत्तर: C

व्याख्या:

- आयुष्मान भारत माध्यमिक देखभाल (जिसमें सुपर-विशेषज्ञ शामिल नहीं है) के साथ-साथ तृतीयक देखभाल के लिये प्रति परिवार 5 लाख की बीमा राशि प्रदान करता है। लाभार्थियों के लिये यह एक मुफ्त योजना है। अत: कथन 1 सही है।
- यह एक पात्रता-आधारित योजना है जो नवीनतम सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना (SECC) डेटा द्वारा पहचाने गए लाभार्थियों को लक्षित करती है। अत: कथन 2 सही है।
- व्यक्ति किसी भी सूचीबद्ध अस्पताल (निजी या सरकारी) में जा सकते हैं जो कैशलेस भुगतान की प्रक्रिया कर सकता है। अत: कथन 3 सही नहीं है।

30.

उत्तर: C

व्याख्या:

- राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (NSAP) ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा प्रशासित एक कल्याणकारी कार्यक्रम है। अत: कथन 1 सही है।
- यह कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ शहरी क्षेत्रों में भी चलाया जा रहा है।
- NSAP भारत के संविधान में निहित राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों की पूर्ति की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। अत: कथन 2 सही है।

- इसका उद्देश्य नागरिकों के लिए आजीविका के पर्याप्त साधन सुरक्षित करना, जीवन स्तर को बेहतर बनाना, सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार करना, बच्चों के लिए मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करना आदि है।

31.

उत्तर: B

व्याख्या:

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो

- NCRB, जिसका मुख्यालय नई दिल्ली में है, की स्थापना वर्ष 1986 में गृह मंत्रालय के तहत किया गया था।अत: कथन 1 सही नहीं है।
- यह अपराध और अपराधियों संबंधी सूचना के भंडार के रूप में कार्य करने के लिये की गई थी ताकि अपराधियों के जाँचकर्त्ताओं को अपराध एवं अपराधी की कड़ी को समझने में सहायता मिल सके।अत: कथन 2 सही है।
- इसकी स्थापना राष्ट्रीय पुलिस आयोग (1977-1981) और गृह मंत्रालय की टास्क फोर्स (1985) की सिफारिशों के आधार पर की गई थी।
- NCRB देश भर में अपराध का विस्तृत वार्षिक आँकड़ा ('भारत में अपराध' रिपोर्ट) प्रकाशित करता है।
- वर्ष 1953 से प्रकाशित होने के बाद यह रिपोर्ट देश भर में कानून और व्यवस्था की स्थिति को समझने में एक महत्त्वपूर्ण उपकरण के रूप में कार्य करती है।

32.

उत्तर: C

व्याख्या:

- यह योजना सेवानिवृत्ति के बाद आजीवन आय का आश्वासन देती है।
- पूर्ववर्ती पेंशन योजना (OPS) के तहत कर्मचारियों को पूर्व निर्धारित फार्मूले के अनुसार पेंशन मिलती थी जो अंतिम आहरित वेतन का आधा (50%) होता है तथा उन्हें वर्ष में दो बार महँगाई राहत (Dearness Relief) में संशोधन का भी लाभ मिलता था। भुगतान निर्धारित था और वेतन से कोई कटौती नहीं की जाती थी। इसके अलावा OPS के तहत सामान्य भविष्य निधि (General Provident Fund-GPF) का भी प्रावधान था। अत: कथन 1 सही है।
- NPS का अखिल नागरिक मॉडल 18-70 वर्ष की आयु के भारत क सभी नागरिकों (NRIs सहित) को NPS में शामिल होने की अनुमति देता है।
- यह एक भागीदारी योजना है, जहाँ कर्मचारी अपने वेतन से अपने पेंशन कोष में योगदान करते हैं, जिसमें सरकार का भी समान योगदान होता है। इसके बाद फंड को पेंशन फंड मैनेजर्स के माध्यम से निर्धारित निवेश योजनाओं में निवेश किया जाता है। अत: कथन 2 सही है।

33.

उत्तर: A

व्याख्या:

- "नो मनी फॉर टेरर" कॉन्फ्रेंस 2018 में फ्राँसीसी सरकार की एक पहल के रूप में शुरू किया गया था, जो विशेष रूप से देशों के बीच आतंकवाद के वित्तपोषण को रोकने के लिये सहयोग पर ध्यान केंद्रित करने के लिये था। अत: कथन 1 सही है।
- वर्ष 2019 में सम्मेलन ऑस्ट्रेलिया में आयोजित किया गया था।
- इसे वर्ष 2020 में भारत में आयोजित किया जाना था लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था।
- हाल ही में आतंकवाद-विरोधी वित्तपोषण पर तीसरा 'नो मनी फॉर टेरर' (NMFT) मंत्रिस्तरीय सम्मेलन 2022 नई दिल्ली, भारत में आयोजित किया गया। अत: कथन 2 सही नहीं है।

34.

उत्तर: A

व्याख्या:

- यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम, 2012 (POCSO) ने यौन अपराध की पीड़िता की पहचान के प्रकटीकरण पर प्रतिबंध लगा दिया। अत: कथन 1 सही है।
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 में 6-14 वर्ष आयु वर्ग के सभी बच्चों के लिये नि:शुल्क और अनिवार्य प्रारंभिक शिक्षा के अधिकार का उल्लेख किया गया है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- CrPC की धारा 155 (2) के अनुसार, पुलिस अधिकारी, मजिस्ट्रेट के आदेश के बिना गैर-संज्ञेय अपराध की जाँच नहीं कर सकता है।

35.

उत्तर: C

व्याख्या:

- राष्ट्रीय पुलिस आयोग (1977-1981) और गृह मंत्रालय के टास्क फोर्स (1985) की सिफारिशों पर राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) की स्थापना की गई। अत: कथन 1 सही है।
- NCRB को 'ऑनलाइन साइबर-अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल' के तकनीकी और परिचालन कार्यों के प्रबंधन के लिये केंद्रीय नोडल एजेंसी के रूप में भी नामित किया गया है, जिसके माध्यम से कोई

भी नागरिक शिकायत दर्ज कर सकता है या बाल अश्लीलता, बलात्कार/सामूहिक बलात्कार से संबंधित अपराध के सबूत के रूप में एक वीडियो क्लिप अपलोड कर सकता है।

- ब्यूरो को यौन अपराधियों के राष्ट्रीय डेटाबेस (NDSO) को बनाए रखने और इसे नियमित आधार पर राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के साथ साझा करने का काम सौंपा गया है। अत: कथन 2 सही है।

36.

उत्तर: B

व्याख्या:

- जनरल डेटा प्रोटेक्शन रेगुलेशन यूरोपीय संघ में लागू किया गया है, यह व्यक्तिगत डेटा के प्रसंस्करण हेतु व्यापक डेटा संरक्षण कानून पर केंद्रित है।
- यूरोपीय संघ में निजता का अधिकार एक मौलिक अधिकार के रूप में है जो किसी व्यक्ति की गरिमा और उसके द्वारा उत्पन्न डेटा पर उसके अधिकार सुनिश्चित करता है। अत: विकल्प B सही है।

37.

उत्तर: D

व्याख्या:

- प्रधानमंत्री आवास योजना (PMAY) आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (MOHUA) द्वारा कार्यान्वित शहरीआवास के लिये सरकार के मिशन- 2022 'सभी के लिये आवास' के अंतर्गत आती है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- यह शहरी गरीबों के लिये समान मासिक किस्तों (EMI) के पुनर्भुगतान के दौरान गृह ऋण की ब्याज दर पर सब्सिडी प्रदान करके गृह ऋण को किफायती बनाती है।
- मिशन स्लमवासियों सहित EWS/LIG और MIG श्रेणियों के बीच शहरी आवास की कमी को संदर्भित करता है।
- आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग (EWS) - 3,00,00 रुपए की अधिकतम वार्षिक पारिवारिक आय के साथ।
- निम्न आय समूह - 6,00,000 रुपए की अधिकतम वार्षिक पारिवारिक आय के साथ)
- मध्यम आय समूह (MIG-I और II) जिनकी पारिवारिक वार्षिक आय 18,00,000 रुपए है)।
- लाभार्थी परिवार में पति, पत्नी, अविवाहित बेटे और/या अविवाहित बेटियाँ शामिल होंगी। अत: कथन 2 सही नहीं है।

38.

उत्तर: A

व्याख्या:

- सर्वप्रथम 1999 में इसकी स्थापना की गई थी (2011 एवं 2015 में इसे अपडेट किया गया) तथा सितंबर 2001 के हमलों के बाद इसे और सुदृढ़ किया गया।
- इसे अब दा'एश और अलकायदा प्रतिबंध समिति के रूप में जाना जाता है। अत: कथन 1 सही है।
- इसके अंतर्गत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) के सभी स्थायी और गैर-स्थायी सदस्य शामिल हैं। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- आतंकवादियों की 1267 सूची एक वैश्विक सूची है, जिस पर UNSC की मुहर होती है। इस सूची में अधिकांशत: पाकिस्तानी नागरिक और निवासी हैं।
- यह समिति आतंकवाद का मुकाबला करने के प्रयासों पर काम कर रहे सबसे महत्त्वपूर्ण और सक्रिय संयुक्त राष्ट्र सहायक निकायों में से एक है, विशेष रूप से अलकायदा और इस्लामिक स्टेट समूह के संबंध में।
- इसका उद्देश्य आतंकवादियों की आवाजाही को सीमित करने हेतु संयुक्त राष्ट्र के प्रयासों पर चर्चा करना है, साथ ही इसके अंतर्गत विशेष रूप से यात्रा प्रतिबंध, संपत्ति की जब्ती और आतंकवाद के लिये हथियारों पर प्रतिबंध आदि शामिल हैं।

39.

उत्तर: C

व्याख्या:

- सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 सरकारी सूचना के लिये नागरिकों के प्रश्नों का समय पर जवाब देना अनिवार्य बनाता है।
- सूचना का अधिकार अधिनियम का मूल उद्देश्य नागरिकों को सशक्त बनाना, सरकार के कामकाज में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देना, भ्रष्टाचार को रोकना तथा वास्तविक अर्थों में हमारे लोकतंत्र का लोगों के लिये कार्य करना है।
- सूचना के अधिकार को वर्ष 1948 में मानव अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा से शक्ति प्राप्त है जिसमें सभी को किसी भी माध्यम से जानकारी प्राप्त करने का अधिकार प्रदान किया गया।
- श्री कुलवाल बनाम जयपुर नगर निगम मामले मे सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के माध्यम से वर्ष 1986 में आरटीआई कानून की उत्पत्ति हुई, जिसमें यह निर्देश दिया गया कि संविधान के अनुच्छेद 19 के तहत प्रदान की गई भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता स्पष्ट रूप से सूचना का अधिकार है क्योंकि बिना वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के पूरी तरह से नागरिकों द्वारा इसका उपयोग नहीं किया जा सकता है।
  - अत: कथन 1 सही है।
- RTI अधिनियम पूरे भारत में लागू है।
- सूचना का अधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2019 में प्रावधान किया गया है कि मुख्य सूचना आयुक्त और एक सूचना आयुक्त (केंद्र के साथ-साथ राज्यों के) केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित अवधि के लिये पद

धारण करेंगे। इस संशोधन से पहले इनका कार्यकाल 5 साल के लिये तय किया गया था।

- इसमें प्रावधान किया गया है कि मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्त (केंद्र के साथ-साथ राज्यों के) के वेतन, भत्ते और अन्य सेवा संबंधी शर्तें केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित की जाएंगी।
- अत: कथन 2 सही है।

40.

उत्तर: C

व्याख्या:

- भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C): I4C को 2018 में समन्वित और प्रभावी तरीके से साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों से निपटने के लिये अनुमोदित किया गया था। I4C योजना के घटक हैं:
  - राष्ट्रीय साइबर क्राइम थ्रेट विश्लेषण यूनिट
  - राष्ट्रीय साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल
  - राष्ट्रीय साइबर क्राइम प्रशिक्षण केंद्र
  - साइबर क्राइम पारिस्थितिकी प्रबंधन यूनिट
  - राष्ट्रीय साइबर क्राइम फोरेन्सिक प्रयोगशाला (NCFL) पारिस्थितिकी
  - संयुक्त साइबर क्राइम जाँच टीम के लिये प्लेटफ़ॉर्म
  - राष्ट्रीय साइबर अपराध अनुसंधान और नवाचार केंद्र
- अत: विकल्प C सही है।

41.

उत्तर: A

व्याख्या:

- हाल ही में आतंकवाद के वित्तपोषण और मनी लॉन्ड्रिंग पर अंतर्राष्ट्रीय निगरानी संस्था फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (FATF) ने पाकिस्तान को "अधिक निगरानी" (ग्रे लिस्ट) के तहत देशों की सूची से हटा दिया है।
- FATF वैश्विक मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवादी वित्तपोषण पर नज़र रखने वाली संस्था है। इसका उद्देश्य सामूहिक विनाश के हथियारों के प्रसार के वित्तपोषण का मुकाबला करना भी है।
- इसका गठन 1989 में पेरिस में विकसित देशों की जी-7 बैठक में किया गया था। अत: कथन 1 सही है।
- इसका सचिवालय पेरिस में आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OCED) मुख्यालय में स्थित है अत: कथन 2 सही नहीं है।
- अक्तूबर 2022 तक यह 37 देशों और दो क्षेत्रीय संगठनों के साथ एक 39 सदस्यीय निकाय है: यूरोपीय आयोग और खाड़ी सहयोग परिषद।
- इंडोनेशिया FATF का एकमात्र पर्यवेक्षक देश है।
- भारत 2006 में 'पर्यवेक्षक' का दर्जा प्राप्त करने के बाद 2010 में FATF का पूर्ण सदस्य बना था।
- भारत अपने क्षेत्रीय साझेदारों एशिया प्रशांत समूह (APG) और यूरेशियन समूह (EAG) का भी सदस्य है।

42.

उत्तर: D

व्याख्या:

- जनहित याचिका (PIL) का अर्थ, जनहित की सुरक्षा जैसे प्रदूषण, आतंकवाद, सड़क सुरक्षा, निर्माण संबंधी खतरे आदि के लिये न्यायालय में मुकदमा दायर करना है। कोई भी मामला जहाँ बड़े पैमाने पर जनता के हित प्रभावित हो सकते हैं के संबंध में अदालत में जनहित याचिका के माध्यम से जाया जा सकता है । अत: कथन 1 सही है।
- भारत सरकार के किसी भी अधिनियम में जनहित याचिका को परिभाषित नहीं किया गया है। इसकी व्याख्या बड़े पैमाने पर जनता की भावना को ध्यान में रखते हुये न्यायाधीशों द्वारा की जाती है। अत: कथन 2 सही है।
- जनहित याचिका न्यायिक सक्रियता के माध्यम से न्यायालयों द्वारा जनता को दी गई शक्ति है। हालाँकि, याचिका दायर करने वाले व्यक्ति को न्यायालयों की संतुष्टि के लिये साबित करना होगा कि याचिका सिर्फ जनहित के लिये दायर की जा रही है। अत: कथन 3 सही है।

43.

उत्तर: D

व्याख्या:

- 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' को कोविड-19 के विरुद्ध लड़ाई में गरीब और संवेदनशील वर्ग की सहायता करने के लिये 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पैकेज' (PMGKP) के हिस्से के रूप में शुरू किया गया था।
- इस योजना के तहत सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) के माध्यम से पहले से ही प्रदान किये जा रहे 5 किलोग्राम अनुदानित खाद्यान्न के अलावा प्रत्येक व्यक्ति को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA), 2013 के तहत 5 किलोग्राम अतिरिक्त अनाज (गेहूँ या चावल) मुफ्त में उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अत: कथन 1 सही है।
- प्रारंभ में इस योजना की शुरुआत तीन माह (अप्रैल, मई और जून 2020) की अवधि के लिये की गई थी, जिसमें कुल 80 करोड़ राशन कार्डधारक शामिल थे। बाद में इसे सितंबर 2020 तक बढ़ा दिया गया था।

- वित्त मंत्रालय इसका नोडल मंत्रालय है।
- देश भर में लगभग 5 लाख राशन की दुकानों से वन नेशन वन राशन कार्ड (ONORC) योजना के तहत कोई भी प्रवासी श्रमिक या लाभार्थी पोर्टेबिलिटी के माध्यम से मुफ्त राशन का लाभ उठा सकता है। अत: कथन 2 सही है।

44.

उत्तर: B

व्याख्या:

- केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (CERC) भारत में विद्युत क्षेत्र का एक नियामक है।
- यह थोक बिजली बाज़ारों में प्रतिस्पर्द्धा, दक्षता और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने, आपूर्ति की गुणवत्ता में सुधार, निवेश को बढ़ावा देने तथा मांग आपूर्ति की खाई को पाटने के लिये संस्थागत बाधाओं को हटाने पर सरकार को सलाह देने का इरादा रखता है।
- यह विद्युत अधिनियम, 2003 के तहत अर्द्ध-न्यायिक स्थिति के साथ एक सांविधिक निकाय है।
  - अत: कथन 1 सही नहीं है।
- CERC का गठन 24 जुलाई, 1998 को विद्युत नियामक आयोग अधिनियम, 1998 के तहत किया गया था।
  - अत: कथन 2 सही है।

45.

उत्तर: B

व्याख्या:

PwDs हेतु विभिन्न सरकारी योजनाएँ:

दिशा (DISHA):

- यह राष्ट्रीय न्यास अधिनियम के अंतर्गत आने वाले दिव्यांगों के साथ 10 वर्ष तक के बच्चों के लिये प्रारंभिक हस्तक्षेप और स्कूल तैयारी योजना है।

विकास (VIKAAS):

- ऑटिज़्म, सेरेब्रल पाल्सी, मानसिक मंदता या बहु-दिव्यांगता वाले 10 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के लिये डे केयर कार्यक्रम ताकि उन्हें अपने पारस्परिक और व्यावसायिक कौशल में सुधार करने में मदद मिल सके।

समर्थ (SAMARTH):

- अनाथों, संकटग्रस्त परिवारों और बीपीएल व एलआईजी परिवारों के दिव्यांग लोगों (जिनके पास राष्ट्रीय न्यास अधिनियम द्वारा कवर की गई चार दिव्यांगताओं में से कम-से-कम एक है) के लिये राहत गृह प्रदान करने का कार्यक्रम है।

घरौंदा (GHARAUNDA):

- यह योजना ऑटिज़्म, सेरेब्रल पाल्सी, मानसिक मंदता और बहु-दिव्यांग व्यक्ति को जीवन भर आवास और देखभाल सेवाएँ प्रदान करती है।

निरामाया (NIRAMAYA)

- यह योजना ऑटिज़्म, सेरेब्रल पाल्सी, मानसिक मंदता और बहु-दिव्यांग व्यक्तियों को किफायती स्वास्थ्य बीमा प्रदान करने के लिये है।

सहयोगी (SAHYOGI):

- दिव्यांग लोगों (पीडब्ल्यूडी) और उनके परिवारों की कुशल देखभाल करने वालों को प्रशिक्षित करने के लिये देखभालकर्त्ता प्रकोष्ठ (Caregiver Cells-CGCs) स्थापित करने की योजना है।

प्रेरणा (PRERNA):

- ऑटिज़्म, सेरेब्रल पाल्सी, मानसिक मंदता और बहु-दिव्यांग व्यक्तियों द्वारा उत्पादित उत्पादों एवं सेवाओं की बिक्री के लिये व्यावहारिक व व्यापक प्रसार चैनल बनाने के लिये एक विपणन योजना।

समभाव (SAMBHAV):

- यह एड्स, सॉफ्टवेयर और अन्य प्रकार के सहायक उपकरणों को इकट्ठा करने तथा व्यवस्थित करने के लिये प्रत्येक शहर में अतिरिक्त संसाधन केंद्र स्थापित करने की योजना है।

बढ़ते कदम (BADHTE KADAM):

  - यह योजना राष्ट्रीय न्यास के पंजीकृत संगठनों (आरओ) को राष्ट्रीय न्यास की अक्षमताओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने की गतिविधियों को संचालित करने में सहायता करती है।

अत: विकल्प B सही है।

46.

उत्तर: A

व्याख्या:

- नि-क्षय मित्र पहल प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान का एक हिस्सा है जो टीबी के इलाज़ हेतु अतिरिक्त नैदानिक, पोषण और व्यावसायिक सहायता सुनिश्चित करता है। अत: कथन 1 सही है।
- इस कार्यक्रम के लिये नी-क्षय मित्र (दाता) में सहकारी समितियाँ, कॉर्पोरेट, निर्वाचित प्रतिनिधि, व्यक्ति, संस्थान, गैर-सरकारी संगठन, राजनीतिक दल और साझेदार शामिल हैं जो ज़िला प्रशासन के समन्वय में ज़िला-विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार, सरकारी प्रयासों के पूरक के लिये टीबी के खिलाफ प्रतिक्रिया में तेज़ी लाने हेतु स्वास्थ्य सुविधाओं (व्यक्तिगत दाता के लिये), ब्लॉक / शहरी वार्ड / ज़िलों / राज्यों को अपनाकर समर्थन कर सकते हैं।

- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (MoHFW) वर्ष 2025 तक 'एसडीजी इंड टीबी' लक्ष्यों को प्राप्त करने के लक्ष्य के साथ एक महत्त्वाकांक्षी राष्ट्रीय रणनीतिक योजना लागू कर रहा है। अत: कथन 2 सही नहीं है।

47.

उत्तर: B

व्याख्या:

- मनरेगा दुनिया के सबसे बड़े कार्य गारंटी कार्यक्रमों में से एक है।
- योजना का प्राथमिक उद्देश्य किसी भी ग्रामीण परिवार के सार्वजनिक कार्य से संबंधित अकुशल शारीरिक कार्य करने के इच्छुक वयस्क सदस्यों को प्रत्येक वित्तीय वर्ष में 100 दिनों के रोज़गार की गारंटी देना है। अत: कथन 2 सही है।
- पहले की रोज़गार गारंटी योजनाओं के विपरीत मनरेगा का उद्देश्य अधिकार-आधारित ढाँचे के माध्यम से चरम निर्धनता के कारणों का समाधान करना है।
- लाभार्थियों में कम से कम एक तिहाई महिलाएँ होनी चाहिये।
- मज़दूरी का भुगतान न्यूनतम मज़दूरी अधिनियम, 1948 के तहत राज्य में कृषि मज़दूरों के लिये निर्दिष्ट वैधानिक न्यूनतम मज़दूरी के अनुरूप किया जाना चाहिये।
- 18 से 60 आयु वर्ग के लोग योजना के लिये पात्र हैं। अत: कथन 1 सही नहीं है।

48.

उत्तर: B

व्याख्या:

- बिहार ग्रामीण आजीविका संवर्धन सोसाइटी (BRLPS) ग्रामीण विकास विभाग, बिहार सरकार के तहत एक स्वायत्त निकाय है।
- बिहार ग्रामीण आजीविका परियोजना (BRLP), जिसे स्थानीय रूप से जीविका कहा जाता है, विश्व बैंक द्वारा वित्त पोषित है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- यह सामाजिक और आर्थिक दोनों स्तरों पर ग्रामीण गरीबों को सशक्त बनाने के लक्ष्य के साथ बिहार ग्रामीण आजीविका संवर्धन सोसायटी (BRLPS) द्वारा शुरू किया गया था।
- बिहार कोसी फ्लड रिकवरी प्रोजेक्ट (BKFRP) के आजीविका बहाली और संवर्धन घटक को भी जीविका के दायरे में लिया गया। अत: कथन 2 सही है।

49.

उत्तर: C

व्याख्या:

- निवारक निरोध का उपयोग ऐसी स्थिति में किया जाता है, जब किसी व्यक्ति को केवल इस संदेह के आधार पर पुलिस हिरासत में रखा गया है कि वह कोई आपराधिक कृत्य करेगा या समाज को हानि पहुँचाने का प्रयास करेगा।
  - इसके अंतर्गत पुलिस के पास किसी ऐसे व्यक्ति हिरासत में लेने का अधिकार है जिस पर उसे अपराध करने का संदेह है, कुछ मामलों में वारंट या मजिस्ट्रेट के प्राधिकरण के बिना गिरफ्तारी करने का भी अधिकार है।
- राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (National Crime Records Bureau-NCRB) द्वारा जारी किये गए नवीनतम अपराध आँकड़ों के अनुसार, वर्ष 2020 की तुलना में वर्ष 2021 में निवारक निरोध कानून के उपयोग में लगभग 23% की वृद्धि हुई है, जिसमें 1.1 लाख से अधिक लोगों को निवारक हिरासत में रखा गया है। अत: कथन 1 सही है।
- निवारक निरोध के तहत हिरासत की अवधि दो वर्ष तक होती है। अत: कथन 2 सही है।

50.

उत्तर: B

व्याख्या:

- हाल ही में केरल विधानसभा द्वारा केरल लोकायुक्त (संशोधन) विधेयक, 2022 पारित किया गया।
- लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम, 2013 में लोकपाल और लोकायुक्त की स्थापना का प्रावधान है।
  - संघ के लिये लोकपाल तथा राज्यों के लिये लोकायुक्त की स्थापना की गई है।
  - अत: कथन 1 सही नहीं है।
- लोकपाल एक बहु-सदस्यीय निकाय है, जिसमें एक अध्यक्ष और अधिकतम 8 सदस्य होते हैं।
  - अत: कथन 2 सही है।
- लोकपाल के सदस्यों की नियुक्ति चयन समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
  - अत: कथन 3 सही है।

51.

उत्तर: C

व्याख्या:

- साइबर सुरक्षित भारत पहल की संकल्पना साइबर अपराध के बारे में जागरूकता फैलाने और सभी सरकारी विभागों में मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारियों (CISOs) एवं अग्रिम पंक्ति के सूचना प्रौद्योगिकी अधिकारियों की क्षमता निर्माण के मिशन के साथ की गई थी।

- इसे इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (Ministry of Electronics and Information Technology-MeitY) द्वारा वर्ष 2018 में लॉन्च किया गया था। अत: कथन 1 सही नहीं है।

- इसका उद्देश्य CISOs को साइबर हमलों को व्यापक रूप से और पूरी तरह से समझने के लिये शिक्षित और सक्षम करना, सुरक्षा की नवीनतम तकनीकों में आवश्यक प्रभावों के बारे जानकारी प्राप्त करना एवं व्यक्तिगत संगठनों और नागरिकों को बड़े पैमाने पर एक लचीली ई-बुनियादी ढाँचे के लाभों का अनुवाद करना है।
  - साइबर खतरों के उभरते परिदृश्य पर जागरूकता का विस्तार करना। अत: कथन 2 सही है।
- लक्षित प्रतिभागी:
  - सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और बीमा कंपनियों, पुलिस एवं सुरक्षा बलों के तकनीकी शाखाओं सहित केंद्र तथा राज्य/केंद्रशासित प्रदेश सरकारों और अधीनस्थ एजेंसियों/सार्वजनिक उपक्रमों के अधिकारी:
    - नामित मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी (CISOs),
    - CTOs और तकनीकी / PMU टीमों के सदस्य, अपने संबंधित संगठन में सूचना प्रौद्योगिक प्रणाली की सुरक्षा का निरीक्षण करने के लिये ज़िम्मेदार अधिकारी। अत: कथन 3 सही नहीं है।

52.

उत्तर: B

व्याख्या:

- भारतीय दंड संहिता (IPC) की धारा 124A के तहत राजद्रोह एक अपराध है।
  - यह कानून राजद्रोह को एक ऐसे अपराध के रूप में परिभाषित करता है जिसमें 'किसी व्यक्ति द्वारा भारत में कानूनी तौर पर स्थापित सरकार के प्रति मौखिक, लिखित (शब्दों द्वारा), संकेतों या दृश्य रूप में घृणा या अवमानना या उत्तेजना पैदा करने का प्रयत्न किया जाता है। अत: कथन 1 सही है।
- राजद्रोह गैर-जमानती अपराध है। राजद्रोह के अपराध में तीन वर्ष से लेकर उम्रकैद तक की सज़ा हो सकती है और इसके साथ जुर्माना भी लगाया जा सकता है।
  - अत: कथन 2 सही नहीं है।

53.

उत्तर: A

व्याख्या:

- जमानत :
  - जमानत कानूनी हिरासत में रखे गए व्यक्ति की सशर्त/अनंतिम रिहाई है (ऐसे मामलों में जो अभी तक न्यायालय द्वारा घोषित किये जाने हैं) और जब भी आवश्यक हो,न्यायालय में पेश होने का वादा करके यह रिहाई हेतु न्यायालय के समक्ष जमा की गई सुरक्षा/संपार्श्विक (Collateral) का प्रतीक है।
- जमानत के प्रकार:
  - नियमित जमानत:
    - यह न्यायालय (देश के भीतर किसी भी न्यायालय) द्वारा एक ऐसे व्यक्ति को रिहा करने का निर्देश है जो पहले से ही गिरफ्तार किया गया है और पुलिस हिरासत में रखा गया है। अत: कथन 1 सही है ।
- ऐसी जमानत के लिये व्यक्ति CrPC की धारा 437 और 439 के तहत आवेदन कर सकता है।
  - अंतरिम जमानत:
    - न्यायालय द्वारा एक अस्थायी और अल्प अवधि के लिये ज़मानत दी जाती है जब तक कि अग्रिम जमानत या नियमित जमानत की मांग करने वाला आवेदन न्यायालय के समक्ष लंबित न हो। अत: कथन 2 सही नहीं है ।
  - अग्रिम जमानत:
    - किसी व्यक्ति को गिरफ्तार किये जाने से पहले ही जमानत पर रिहा करने का निर्देश जारी किया जाता है।
- ऐसे में गिरफ्तारी की आशंका बनी रहती है और जमानत मिलने से पूर्व व्यक्ति को गिरफ्तार नहीं किया जाता है।
- ऐसी जमानत के लिये कोई व्यक्ति CrPC की धारा 438 के तहत आवेदन दाखिल कर सकता है।
- यह केवल सत्र न्यायालय और उच्च न्यायालय द्वारा जारी किया जाता है।

54.

उत्तर: A

व्याख्या:

- राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) की स्थापना राष्ट्रीय पुलिस आयोग की सिफारिशों (1977-1981) के आधार पर की गई थी। अत: कथन 1 सही है।
- ब्यूरो को यौन अपराधियों के राष्ट्रीय डेटाबेस (National Database of Sexual Offenders-NDSO) को बनाए रखने और राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के साथ नियमित आधार पर जानकारी साझा करने का उत्तरदायित्व सौंपा गया है।
- नई दिल्ली में मुख्यालय के साथ NCRB की स्थापना वर्ष 1986 में गृह मंत्रालय के अधीन की गई थी। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- NCRB को 'ऑनलाइन साइबर-अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल' के तकनीकी और परिचालन कार्यों के प्रबंधन के लिए केंद्रीय नोडल एजेंसी के रूप में भी नामित किया गया है, जिसके माध्यम से कोई

भी नागरिक शिकायत दर्ज कर सकता है या बाल अश्लीलता, बलात्कार/सामूहिक बलात्कार से संबंधित अपराध के साक्ष्य के रूप में एक वीडियो क्लिप अपलोड कर सकता है।

55.

उत्तर: C

व्याख्या:

- पोषक अनाज सामूहिक शब्द है जो कई छोटे-बीज वाले फसलों कों संदर्भित करता है, जिसकी खाद्य फसल के रूप में मुख्य रूप से समशीतोष्ण, उपोष्णकटिबंधीय और उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों व शुष्क क्षेत्रों में सीमांत भूमि पर खेती की जाती है।
  - भारत में उपलब्ध कुछ सामान्य फसलों में बाजरा रागी (फिंगर मिलेट), ज्वार (सोरघम), समा (छोटा बाजरा), बाजरा (मोती बाजरा) और वरिगा (प्रोसो मिलेट) शामिल हैं। अत: कथन 1 सही है।
- इन अनाजों के प्रमाण सबसे पहले सिंधु सभ्यता में पाए गए और ये भोजन के लिये उगाए गए पहले पौधों में से थे। अत: कथन 2 सही है।
- यह लगभग 131 देशों में उगाया जाता है और एशिया एवं अफ्रीका में लगभग 60 करोड़ लोगों का पारंपरिक भोजन है।
- विश्व में भारत पोषक अनाज का सबसे बड़ा उत्पादक है। अत: कथन 3 सही नहीं है।
- यह हिस्सा वैश्विक उत्पादन का 20% और एशिया में उत्पादन का 80% है।
- उच्च प्रोटीन, फाइबर, विटामिन, लौह तत्त्व जैसे खनिजों के कारण पोषक अनाजा कम खर्चीला और पौष्टिक रूप से गेहूँ एवं चावल से बेहतर होता है। अत: कथन 4 सही नहीं है।

56.

उत्तर: B

व्याख्या:

- हाल ही में गंभीर धोखाधड़ी जाँच कार्यालय (SFIO) ने चीनी लिंक वाली शेल कंपनियों की स्थापना और नकली निदेशकों की आपूर्ति से जुड़े एक व्यापक रैकेट के कथित मास्टरमाइंड को गिरफ्तार किया है।
- SFIO भारत सरकार के कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (Ministry of Corporate Affairs) के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत यह एक बहु-अनुशासनात्मक संगठन (Multi-disciplinary organization) हैं जिसके अंतर्गत् वित्तीय क्षेत्र, पूंजी बाज़ार, लेखा, फॉरेंसिक ऑडिट (Forensic audit), कराधान, कानून, सूचना प्रौद्योगिकी, कंपनी कानून, कस्टम तथा जाँच से संबंधित विशेषज्ञ शामिल हैं।
  - अत: कथन 1 सही नहीं है।
- इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है।
- कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 211 ने गंभीर धोखाधड़ी जाँच कार्यालय (SFIO) को वैधानिक दर्जा दिया है।
  - SFIO के पास कंपनी कानून के उल्लंघन के लिये लोगों को गिरफ्तार करने का भी अधिकार है।
  - अत: कथन 2 सही है।

57.

उत्तर: C

व्याख्या:

- आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची (National List of Essential Medicines-NLEM), केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी एक सूची है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने वर्ष 1996 में भारत की आवश्यक दवाओं की पहली राष्ट्रीय सूची तैयार की और जारी की जिसमें 279 दवाएँ शामिल थीं। इस सूची को बाद में वर्ष 2003, 2011, 2015 तथा 2022 में संशोधित किया गया। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- इसका उद्देश्य जनसंख्या की प्राथमिक रोग स्थितियों के सुरक्षित और प्रभावी उपचार का मार्गदर्शन करना।
  - दवाओं के तर्कसंगत उपयोग को बढ़ावा देना है। अत: कथन 3 सही है।

58.

उत्तर: D

व्याख्या:

- साइबर या साइबर सुरक्षा खतरा एक दुर्भावनापूर्ण कार्य है जो डेटा को व्यक्तिगत डेटा के साथ छेड़छाड़ करता है, उसकी चोरी करता है या सामान्य रूप से डिजिटल प्रक्रिया को बाधित कने का प्रयास करता है। इसमें कंप्यूटर वायरस, डेटा ब्रीच, डिनायल ऑफ सर्विस (DoS) अटैक और अन्य कारक शामिल हैं। अत: कथन 1 सही है।
- विभिन्न प्रकार:
  - मैलवेयर: दुर्भावनापूर्ण सॉफ़्टवेयर के लिये प्रयोग किया जाने वाला संक्षिप्त शब्द 'मैलवेयर' किसी भी प्रकार के सॉफ्टवेयर को संदर्भित करता है जिसे किसी एकल कंप्यूटर, सर्वर या कंप्यूटर नेटवर्क को हानि पहुँचाने के लिये डिज़ाइन किया गया है। रैंसमवेयर, स्पाई वेयर, वर्म्स, वायरस और ट्रोजन मैलवेयर का प्रमुख प्रकार हैं।

- फिशिंग: यह भ्रामक ई-मेल और वेबसाइटों का उपयोग करके व्यक्तिगत जानकारी एकत्र करने का का एक तरीका है। अत: कथन 2 सही है।
- साइबर सुरक्षा फर्म कास्परस्की (Kaspersky) का एक अध्ययन एशिया प्रशांत क्षेत्र में एंड्रॉयड और iOS उपकरणों पर साइबर हमले में वृद्धि की चेतावनी देता है, क्योंकि इस क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोग मोबाइल बैंकिंग सुविधाओं का उपयोग करते हैं। अत: कथन 3 सही है।

59.

उत्तर: B

व्याख्या:

- नई दिल्ली में NCRB के मुख्यालय की स्थापना वर्ष 1986 में गृह मंत्रालय के तहत अपराध और अपराधियों पर सूचना के भंडार के रूप में कार्य करने के लिये की गई थी ताकि अपराधियों के संबंध में जांचकर्त्ताओं की सहायता की जा सके। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- NCRB को 'ऑनलाइन साइबर-अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल' के तकनीकी और परिचालन कार्यों का प्रबंधन करने के लिये केंद्रीय नोडल एजेंसी के रूप में भी नामित किया गया है, जिस पोर्टल पर कोई भी नागरिक शिकायत दर्ज करा सकता है या चाइल्ड पोर्नोग्राफी या बलात्कार/सामूहिक बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों के संबद्ध में सबूत के तौर पर विडियो अपलोड कर सकता है। अत: कथन 2 सही है।
- इंटर-ऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम (ICJS) के क्रियान्वयन की ज़िम्मेदारी भी NCRB को दी गई है।
- ICJS देश में आपराधिक न्याय प्रदान करने के लिये प्रयोग की जाने वाली मुख्य आईटी प्रणाली के एकीकरण को सक्षम करने के लिये एक राष्ट्रीय मंच है।
- यह प्रणाली के पाँच स्तंभों जैसे पुलिस (अपराध और आपराधिक ट्रैकिंग और नेटवर्क सिस्टम के माध्यम से), फोरेंसिक लैब के लिये ई-फोरेंसिक, न्यायालयों के लिये ई-कोर्ट, लोक अभियोजकों के लिये ई-अभियोजन और जेलों के लिये ई-जेल को एकीकृत करने का प्रयास करता है। अत: कथन 3 सही है।

60.

उत्तर: C

व्याख्या:

- भारतीय प्रतिस्पर्द्धा आयोग एक सांविधिक निकाय है जो प्रतिस्पर्द्धा अधिनियम, 2002 के उद्देश्यों को लागू करने के लिये उत्तरदायी है। इसका विधिवत गठन मार्च 2009 में किया गया था।
- आयोग एक अर्द्ध-न्यायिक निकाय (Quasi-Judicial Body) है जो सांविधिक प्राधिकरणों को परामर्श देने के साथ-साथ अन्य मामलों को भी संबोधित करता है। अत: कथन 1 सही है।
  - अर्द्ध-न्यायिक निकाय ऐसा संगठन है, जिसके पास कानून लागू करने वाली निकायों (जैसे- न्यायालय) के समान शक्ति होती है, किंतु ये न्यायालय नहीं होते।
- आयोग में एक अध्यक्ष और छह सदस्य होते हैं जिन्हें केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किया जाता है।
  - अध्यक्ष और अन्य सदस्य पूर्णकालिक सदस्य होंगे।
  - अत: कथन 2 सही है।

61.

उत्तर: A

व्याख्या:

- पेन प्लस रणनीति प्रथम स्तर की संदर्भित स्वास्थ्य सुविधाओं में गंभीर गैर-संचारी रोगों (NCDs) को संबोधित करने के लिये क्षेत्रीय रणनीति है। अत: विकल्प A सही है।
- रणनीति का उद्देश्य पुराने और गंभीर NCDs रोगियों के उपचारखभाल में पहुँच के अंतर को समाप्त करना है।
- यह देशों से आग्रह करता है कि पुरानी और गंभीर गैर-संचारी रोगों से निपटने के लिये मानकीकृत कार्यक्रम स्थापित करें ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ज़िला अस्पतालों में आवश्यक दवाएँ, प्रौद्योगिकियाँ तथा निदान उपलब्ध एवं पहुँच योग्य हैं।

62.

उत्तर: C

व्याख्या:

- भारतीय संविधान में 'जनजाति' शब्द को परिभाषित नहीं किया गया है, हालाँकि अनुसूचित जनजाति शब्द को संविधान में अनुच्छेद 342 (i) के माध्यम से जोड़ा गया था।
- संविधान की पाँचवीं अनुसूची अनुसूचित क्षेत्रों वाले प्रत्येक राज्य में एक जनजाति सलाहकार परिषद की स्थापना का प्रावधान करती है।
  - अत: कथन 2 सही है।
- अनुच्छेद 275: यह अनुसूचित जनजातियों के कल्याण को बढ़ावा देने और उन्हें एक बेहतर प्रशासन प्रदान करने के लिये केंद्र सरकार द्वारा राज्य सरकार को विशेष निधि प्रदान करने का प्रावधान करता है।
  - अत: कथन 1 सही है।
- अत: विकल्प C सही है।

63.

उत्तर: B

व्याख्या:

- हाल ही में सिंगापुर में आयोजित विश्व शहर शिखर सम्मेलन में दिल्ली के मुख्यमंत्री के भाग लेने की अनुमति को अस्वीकृत कर दिया गया।
- विदेश यात्रा अनुमोदन हेतु राज्य सरकार के सदस्यों के लिये प्रावधान:
  - राज्य सरकारों के सदस्यों को अपनी आधिकारिक क्षमता में विदेश यात्राओं के लिये विदेश मंत्रालय (MEA), गृह मंत्रालय, वित्त मंत्रालय और केंद्रीय प्रशासनिक मंत्रालय से मंज़ूरी की आवश्यकता होती है।
    - अत: कथन 1 सही नहीं है।
  - इसमें कहा गया है कि मुख्यमंत्रियों को आधिकारिक यात्रा से पहले प्रधानमंत्री कार्यालय से अनुमोदन की आवश्यकता होती है। अत: कथन 2 सही है।

अत: विकल्प B सही है।

64.

उत्तर: A

व्याख्या:

- CVC को सरकार द्वारा फरवरी 1964 में के. संथानम की अध्यक्षता वाली भ्रष्टाचार निवारण समिति (Committee on Prevention of Corruption) की सिफारिशों पर स्थापित किया गया था।
- केंद्रीय सतर्कता आयोग एक शीर्षस्थ सतर्कता संस्थान है जो किसी भी कार्यकारी प्राधिकारी के नियंत्रण से मुक्त है तथा केंद्रीय सरकार के अंतर्गत सभी सतर्कता गतिविधियों की निगरानी करता है, साथ ही केंद्रीय सरकारी संगठनों में विभिन्न प्राधिकारियों को उनके सतर्कता कार्यों की योजना बनाने, निष्पादन करने, समीक्षा करने एवं सुधार करने के संबंध में सलाह देता है।
- संसद ने केंद्रीय सतर्कता आयोग अधिनियम, 2003 (CVC अधिनियम) अधिनियमित किया, जो CVC को वैधानिक दर्जा प्रदान करता है। अत: कथन 1 सही है।
- यह एक स्वतंत्र निकाय है जो केवल संसद के प्रति उत्तरदायी है। अत: कथन 2 सही है।
- यह भारत के राष्ट्रपति को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करता है। अत: कथन 3 सही नहीं है।

65.

उत्तर: D

व्याख्या:

- तंबाकू एंडगेम पर न्यूज़ीलैंड का विधेयक:
  - 'टोबैको एंडगेम' एक नीतिगत दृष्टिकोण को संदर्भित करता है जो 'तंबाकू मुक्त भविष्य' के उद्देश्य से तंबाकू से होने वाली बीमारी को समाप्त करने पर केंद्रित है।
  - विधेयक में धूम्रपान को महत्त्वपूर्ण रूप से कम करने या इसे समाप्त करने के लिये तीन रणनीतियों की मांग की गई है।
  - यदि विधेयक को लागू किया जाता है तो यह दुनिया का पहला कानून होगा जो अगली पीढ़ी को कानूनी रूप से सिगरेट खरीदने से रोकेगा।
- भारत में तंबाकू सेवन की स्थिति:
  - राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, शहरी क्षेत्रों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में पुरुषों और महिलाओं में तंबाकू का अधिक उपयोग होता है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
  - राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (वर्ष 2019-21) के अनुसार, 15 वर्ष से अधिक आयु के 38% पुरुष और 9% महिलाएँ तंबाकू उत्पादों का सेवन करतें हैं।
  - तंबाकू में निकोटीन (जिसे "डिनिकोटिनाइज़ेशन" या "बहुत कम निकोटीन सिगरेट- VLNC" के रूप में जाना जाता है) की मात्रा को काफी कम कर देना ताकि नशे की लत न हो।
  - भारत तंबाकू का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता और उत्पादक भी है। देश में विभिन्न प्रकार के तंबाकू उत्पाद बहुत कम कीमतों पर उपलब्ध हैं। अत: कथन 2 सही नहीं है।

अत: विकल्प D सही है।

66.

उत्तर: C

व्याख्या:

- केंद्र सरकार के मंत्रालयों के राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सेवा वितरण मूल्यांकन (National E-Governance Service Delivery Assessment-NeSDA) में गृह मंत्रालय की वेबसाइट को केंद्रीय मंत्रालय सेवाओं के पोर्टल में प्रथम स्थान और डिजिटल पुलिस पोर्टल को दूसरा स्थान प्राप्त हुआ।
- यह आकलन प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (DARPG) ने अपने नॉलेज पार्टनर्स नैसकॉम (NASSCOM) और केपीएमजी (KPMG) के साथ मिलकर वर्ष 2021 में किया था। अत: कथन 1 सही है।

- मूल्यांकन के चार मुख्य मापदंड थे:
  - पहुँच
  - सामग्री उपलब्धता
  - उपयोग में आसानी और सूचना की सुरक्षा
  - केंद्रीय मंत्रालय के पोर्टलों के लिये गोपनीयता, अत: कथन 2 सही है।
- द्रीय मंत्रालय के सुविधा पोर्टलों के लिये तीन अतिरिक्त मापदंडों का उपयोग किया गया:
  - लक्षित सेवा वितरण
  - एकीकृत सेवा वितरण
  - स्थिति और अनुरोध ट्रैकिंग

67.

उत्तर: B

व्याख्या:

बांग्लादेश की सीमा से जुड़े राज्य हैं:

- पश्चिम बंगाल
- असम
- मेघालय
- त्रिपुरा
- मिज़ोरम

अत: विकल्प B सही है।

July 2022

68.

उत्तर: C

व्याख्या:

- औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के तहत औषधि तकनीकी सलाहकार बोर्ड (DTAB) को एक विधायी/सांविधिक संगठन के रूप में स्थापित किया गया है। अत: कथन 1 सही है।
- यह स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (CDSCO) का हिस्सा है।
- DTAB का कार्य दवाओं और सौंदर्य प्रसाधनों से संबंधित तकनीकी मामलों पर केंद्र सरकार और राज्य सरकार को सलाह देना है। अत: कथन 2 सही है।

69.

उत्तर: A

व्याख्या:

- "कंगारू कोर्ट/समानांतर न्यायिक आपूर्ति प्रणाली" वाक्यांश का प्रयोग न्यायिक प्रणाली के खिलाफ किया जाता है जहाँ अभियुक्त के खिलाफ निर्णय आमतौर पर पूर्व निर्धारित होता है। अत: कथन 1 सही है।
- यह स्व-गठित या छद्म न्यायालय है, जिसे बिना किसी पूर्व चिंतन के निर्णय देने के उद्देश्य से स्थापित किया जाता है और आमतौर पर आरोपी व्यक्ति के संदर्भ में फैसला किया जाता है। अत: कथन 2 सही है।
- यह अभिव्यक्ति ऑस्ट्रेलिया में देखी गई लेकिन इसे पहली बार अमेरिका में वर्ष 1849 के कैलिफोर्निया गोल्ड रश के दौरान दर्ज किया गया था। अत: कथन 3 सही नहीं है।
- सोवियत संघ में स्टालिन युग के दौरान कंगारू कोर्ट आम धारणा थी, जो सोवियत ग्रेट पर्ज के "मॉस्को ट्रायल" के रूप में प्रसिद्ध है।

70.

उत्तर: A

व्याख्या:

- केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (CRPF) आंतरिक सुरक्षा के लिये भारत संघ का प्रमुख केंद्रीय पुलिस बल है। इसे मूल रूप से 27 जुलाई, 1939 को क्राउन रिप्रेजेंटेटिव पुलिस के रूप में गठित किया गया था।
- यह 28 दिसंबर, 1949 को CRPF अधिनियम के लागू होने पर केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल बन गया।
- 246 बटालियन, (6 महिला बटालियन, 15 RAF बटालियन, 10 कोबरा बटालियन, 5 सिग्नल बटालियन और 1 स्पेशल ड्यूटी ग्रुप, 1 पार्लियामेंट ड्यूटी ग्रुप सहित) के साथ एक बड़े संगठन के रूप में विकसित हुआ है।
- पार्लियामेंट ड्यूटी ग्रुप एक विशिष्ट CRPF इकाई है जिसे संसद भवन को सशस्त्र सुरक्षा प्रदान करने का काम सौंपा गया है।
- स्पेशल ड्यूटी ग्रुप CRPF की एक विशिष्ट बटालियन है, जिसे प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास के बाहरी घेरे की सुरक्षा प्रदान करने का काम सौंपा गया है।

अत: विकल्प A सही है।

71.

उत्तर: A

व्याख्या:

- वामपंथी उग्रवादी संगठन वे समूह हैं जो हिंसक क्रांति के माध्यम से परिवर्तन लाने का प्रयास करते हैं। वे लोकतांत्रिक संस्थाओं के खिलाफ हैं और ज़मीनी स्तर पर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को नष्ट करने के लिये हिंसा का इस्तेमाल करते हैं।
- ये समूह देश के सबसे कम विकसित क्षेत्रों में विकास प्रक्रियाओं को रोकते हैं और लोगों को वर्तमान घटनाओं से अनभिज्ञ रखकर उन्हें गुमराह करने का प्रयास करते हैं। अत: कथन 1 सही है।
- समाधान (SAMADHAN) सिद्धांत: यह वामपंथी उग्रवाद की समस्या का एकमात्र समाधान है। इसमें विभिन्न स्तरों पर तैयार की गई अल्पकालिक नीति से लेकर दीर्घकालिक नीति तक सरकार की पूरी रणनीति शामिल है।
- समाधान का अर्थ है-
  - S- स्मार्ट लीडरशिप।
  - A- आक्रामक रणनीति।
  - M- प्रेरणा और प्रशिक्षण।
  - A- एक्शनेबल इंटेलिजेंस।
  - D- डैशबोर्ड आधारित मुख्य प्रदर्शन संकेतक (KPIs) और मुख्य परिणाम क्षेत्र (KRAs)
  - H- हार्नेसिंग टेक्नोलॉजी।
  - A- प्रत्येक थिएटर/नाटकशाला हेतु कार्ययोजना।
  - N- वित्तपोषण तक पहुँच नहीं।
- समाधान (SAMADHAN) सिद्धांत गृह मंत्रालय का वामपंथी उग्रवाद की समस्या से निपटने हेतु एकमात्र उपाय है। अत: कथन 2 सही नहीं है।

72.

उत्तर: C

व्याख्या:

- GOAL (गोइंग ऑनलाइन एज़ लीडर्स) कार्यक्रम को मई 2020 में एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया गया था और यह दिसंबर 2021 में पूरा हुआ। अत: कथन 1 सही है।
- इसका उद्देश्य मेंटॉर (सलाहकार या प्रशिक्षण देने वाला) और मेंटी (प्रशिक्षु) की अवधारणा के माध्यम से जनजातीय युवाओं व महिलाओं का डिजिटल सशक्तीकरण करना है। अत: कथन 2 सही है।
- यह कार्यक्रम पूरी तरह से मेटा (फेसबुक इंडिया) द्वारा वित्तपोषित है। अत: कथन 3 सही नहीं है।
- GOAL 2.0 कार्यक्रम जनजातीय मामलों और मेटा मंत्रालय (पूर्व में फेसबुक) द्वारा शुरू किया गया है।
- GOAL 2.0 कार्यक्रम जनजातीय समुदाय के सभी लोगों के लिये खुला है। अत: कथन 4 सही है।

73.

उत्तर: D

व्याख्या:

भारत में अल्पसंख्यक की स्थिति

- सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि धार्मिक और भाषायी समुदायों की अल्पसंख्यक स्थिति "राज्य-निर्भर" है। अत: कथन 2 सही है।
- सर्वोच्च न्यायालय का फैसला
  - भारत का प्रत्येक व्यक्ति किसी न किसी राज्य में अल्पसंख्यक हो सकता है। एक मराठी अपने गृह राज्य जैसे महाराष्ट्र के बाहर अल्पसंख्यक हो सकता है। इसी तरह कन्नड़ भाषी व्यक्ति कर्नाटक के अलावा अन्य राज्यों में अल्पमत में हो सकता है।
  - न्यायालय ने संकेत दिया कि एक धार्मिक या भाषायी समुदाय जो किसी विशेष राज्य में अल्पसंख्यक है, संविधान के अनुच्छेद 29 और 30 के तहत अपने स्वयं के शैक्षणिक संस्थानों को संचालित करने और चलाने के अधिकार का दावा कर सकता है।

भारत सरकार द्वारा अधिसूचित अल्पसंख्यक

- वर्तमान में केंद्र सरकार द्वारा NCM (राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग) अधिनियम, 1992 की धारा 2 (सी) के तहत अधिसूचित केवल उन समुदायों को अल्पसंख्यक माना जाता है। अत: कथन 1 सही है।
- वर्ष 1992 में NCM अधिनियम, 1992 के अधिनियमन के साथ MC एक वैधानिक निकाय बन गया और इसका नाम बदलकर NCM कर दिया गया।
- वर्ष 1993 में पहला सांविधिक राष्ट्रीय आयोग स्थापित किया गया था और पाँच धार्मिक समुदाय अर्थात् मुस्लिम, ईसाई, सिख, बौद्ध तथा पारसी को अल्पसंख्यक समुदायों के रूप में अधिसूचित किया गया था।

अल्पसंख्यकों हेतु संवैधानिक प्रावधान:

- अनुच्छेद 29:
  - यह प्रावधान करता है कि भारत के किसी भी हिस्से में रहने वाले नागरिकों के किसी भी वर्ग की अपनी एक अलग भाषा, लिपि या संस्कृति है, उसे संरक्षित करने का अधिकार होगा।
  - यह धार्मिक अल्पसंख्यकों के साथ-साथ भाषायी अल्पसंख्यकों दोनों को सुरक्षा प्रदान करता है।

- हालाँकि सर्वोच्च न्यायालय ने माना कि इस अनुच्छेद का दायरा केवल अल्पसंख्यकों तक ही सीमित नहीं है, क्योंकि अनुच्छेद में 'नागरिकों के वर्ग' शब्द के उपयोग में अल्पसंख्यकों के साथ-साथ बहुसंख्यक भी शामिल हैं।

- अनुच्छेद 30:
  - सभी अल्पसंख्यकों को अपनी पसंद के शिक्षण संस्थान स्थापित करने और संचालित करने का अधिकार होगा।
  - अनुच्छेद 30 के तहत सुरक्षा केवल अल्पसंख्यकों (धार्मिक या भाषायी) तक ही सीमित है और नागरिकों के किसी भी वर्ग (अनुच्छेद 29 के तहत) तक नहीं है।
- अनुच्छेद 350(B):
  - 7वें संवैधानिक (संशोधन) अधिनियम, 1956 ने इस अनुच्छेद को सम्मिलित किया जो भाषायी अल्पसंख्यकों के लिये भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त विशेष अधिकारी का प्रावधान करता है।
  - इस विशेष अधिकारी का कर्तव्य होगा कि वह संविधान के तहत भाषायी अल्पसंख्यकों हेतु प्रदान किये गए सुरक्षा उपायों से संबंधित सभी मामलों की जाँच करे। अत: कथन 3 सही है।

74.

उत्तर: A

व्याख्या:

- स्किल काउंसिल फॉर ग्रीन जॉब्स (SCGJ) के निर्माण को 2015 में आयोजित राष्ट्रीय कौशल योग्यता समिति की 10वीं बैठक में मंज़ूरी दी गई थी।
- स्किल काउंसिल फॉर ग्रीन जॉब्स राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन से जुड़ी भारत सरकार की हाल ही में शुरू की गई पहलों में से एक है। अत: कथन 1 सही है।
- SCGJ की स्थापना सोसायटी पंजीकरण अधिनियम XXI, 1860 के तहत एक गैर-लाभकारी, स्वतंत्र, उद्योग के नेतृत्व वाले संगठन के रूप में की गई थी।
- इसे नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE) तथा भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) द्वारा बढ़ावा दिया जाता है। अत: कथन 2 सही नहीं है।

75.

उत्तर: D

व्याख्या:

- मध्यस्थता विवाद समाधान का एक आजमाया हुआ और परखा हुआ वैकल्पिक तरीका है। यह दिल्ली, रांची, जमशेदपुर, नागपुर, चंडीगढ़ एवं औरंगाबाद शहरों में सफल साबित हुआ है।
- मध्यस्थता एक स्वैच्छिक, बाध्यकारी प्रक्रिया है जिसमें एक निष्पक्ष और तटस्थ मध्यस्थ विवादित पक्षों के बीच समझौता कराने में मदद करता है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- मध्यस्थता प्रक्रिया को 180 दिनों के भीतर पूरा किया जाना चाहिये, जिसे दोनों पक्ष 180 दिनों के लिये और बढ़ा सकते हैं।
- मध्यस्थता विधेयक, 2021 का उद्देश्य अदालत या न्यायाधिकरण को शामिल करने से पहले मध्यस्थता के माध्यम से किसी भी नागरिक या वाणिज्यिक विवाद को हल करना है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- पूरी प्रक्रिया को विनियमित करने के लिये भारत मध्यस्थता परिषद् की स्थापना की जाएगी।

76.

उत्तर: D

व्याख्या:

- अधिनियम की धारा 6 के तहत राज्य सरकारें किसी भी पुलिस स्टेशन में दर्ज सूचीबद्ध अपराधों से संबंधित मामलों को NIA जाँच के लिये केंद्र सरकार (केंद्रीय गृह मंत्रालय) को भेज सकती हैं।
  - उपलब्ध कराए गए विवरण का आकलन करने के बाद केंद्र एजेंसी को मामले को संभालने का निर्देश दे सकता है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- NIA का अधिकार क्षेत्र पूरे भारत में फैला हुआ है और यह देश के बाहर के भारतीय नागरिकों पर भी लागू होता है।
  - सरकार की सेवा में लोग जहाँ कहीं भी तैनात हैं।
  - भारत में पंजीकृत ज़हाजों और विमानों पर यात्रा कर रहे व्यक्ति, चाहे वे कहीं भी हों।
  - वे व्यक्ति जो भारत के बाहर भारतीय नागरिक के विरुद्ध या भारत के हित को प्रभावित करने वाले अनुसूचित अपराध करते हैं। अत: कथन 2 सही नहीं है।

77.

उत्तर: B

व्याख्या:

- सरकार स्वयं सहायता समूहों (Self-Help Groups-SHGs) में प्रत्येक महिला की वार्षिक आय को वर्ष 2024 तक 1 लाख रुपए तक बढ़ाने का लक्ष्य लेकर चल रही है।
- स्वयं सहायता समूह (SHG) कुछ ऐसे लोगों का एक अनौपचारिक संघ होता है जो अपने रहन-सहन की परिस्थितियों में सुधार करने के लिये स्वेच्छा से एक साथ आते हैं। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- भारत में SHG की उत्पत्ति का पता 1970 में स्व-नियोजित महिला संघ (SEWA) के गठन से लगाया जा सकता है। अत: कथन 2 सही है।

- नाबार्ड ने RBI के साथ मिलकर SHGs को वर्ष 1993 से बैंकों में बचत खाता रखने की अनुमति दी। इस कार्रवाई ने SHGs आंदोलन को काफी बढ़ावा दिया और एसएचजी-बैंक लिंकेज कार्यक्रम (SHG-Bank linkage program) का मार्ग प्रशस्त किया। अत: कथन 3 सही है।

78.

उत्तर: D

व्याख्या:

- इस निदेशालय की उत्पत्ति 1 मई, 1956 को हुई जब विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1947 (फेरा '47) के तहत विनिमय नियंत्रण कानून के उल्लंघन से निपटने के लिये आर्थिक मामलों के विभाग में एक 'प्रवर्तन इकाई' का गठन किया गया।
- ED को अपराध की आय से प्राप्त संपत्ति का पता लगाने, संपत्ति को अस्थायी रूप से संलग्न करने और अपराधियों के खिलाफ मुकदमा चलाने तथा विशेष न्यायालय द्वारा संपत्ति की जब्ती सुनिश्चित करने के लिये जाँच करके PMLA, 2002 के प्रावधानों को लागू करने की ज़िम्मेदारी दी गई है। अत: कथन 1 सही है।
- हाल ही में विदेशों में शरण लेने वाले आर्थिक अपराधियों से संबंधित मामलों की संख्या में वृद्धि के साथ सरकार ने भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018 (FEOA) पारित किया है और ED को इसे लागू करने का ज़िम्मा सौंपा गया है। अत: कथन 2 सही है।

79.

उत्तर: A

व्याख्या:

- हाल ही में रक्षा मंत्रालय ने 'मासिक भत्तों के वितरण के लिये 'पे रोल ऑटोमेशन' (PADMA) का उद्घाटन किया, जो भारतीय तटरक्षक बल के लिये एक स्वचालित वेतन और भत्ता मॉड्यूल है।अत: कथन 1 सही नहीं है।
- PADMA नवीनतम तकनीक का लाभ उठाने वाला एक स्वचालित मंच है जो लगभग 15,000 भारतीय तटरक्षक कर्मियों को वेतन और भत्तों का निर्बाध एवं समय पर वितरण सुनिश्चित करेगा।अत: कथन 2 सही नहीं है।
- यह मॉड्यूल रक्षा लेखा विभाग के तत्त्वावधान में विकसित किया गया है और वेतन लेखा कार्यालय तटरक्षक, नोएडा द्वारा संचालित किया जाएगा। अत: कथन 3 सही है।

80.

उत्तर: D

व्याख्या:

गैर-संज्ञेय अपराध:

- एक गैर-संज्ञेय अपराध भारतीय दंड संहिता की पहली अनुसूची के तहत सूचीबद्ध अपराध होता है और प्रकृति में ज़मानती होता है।
- जालसाजी, धोखाधड़ी, मानहानि, सार्वजनिक उपद्रव आदि अपराध गैर-संज्ञेयअपराधों की श्रेणी में आते हैं।
- गैर-संज्ञेय अपराध के मामले में पुलिस आरोपी को बिना वारंट के गिरफ्तार नहीं कर सकती है और साथ ही जाँच शुरू नहीं कर सकती है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- मजिस्ट्रेट के पास एक आपराधिक शिकायत दर्ज की जाती है, जो संबंधित पुलिस स्टेशन को जाँच शुरू करने का आदेश देता है। अत: कथन 2 सही नहीं है।

81.

उत्तर: C

व्याख्या:

- राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (NCPCR) की स्थापना 2007 में बाल अधिकार संरक्षण आयोग अधिनियम, 2005 के तहत की गई थी। अत: कथन 1 सही है।
- आयोग का जनादेश यह सुनिश्चित करता है कि सभी कानून, नीतियाँ, कार्यक्रम और प्रशासनिक तंत्र भारत के संविधान और बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन (UNCRC) में निहित बाल अधिकार परिप्रेक्ष्य के अनुरूप हैं। अत: कथन 2 सही है।

82.

उत्तर: A

व्याख्या:

- सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने मानसिक बीमारी वाले व्यक्तियों को राहत और सहायता प्रदान करने के लिये 24x7 टोल-फ्री मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास हेल्पलाइन "किरण" (1800-500-0019) पहल शुरू की है। अत: विकल्प A सही है।
  - हेल्पलाइन का उद्देश्य प्रारंभिक जाँच, प्राथमिक चिकित्सा, मनोवैज्ञानिक सहायता, संकट प्रबंधन, मानसिक कल्याण, विचलित व्यवहार को रोकना, मनोवैज्ञानिक संकट प्रबंधन और मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों को रेफर करना है
  - हेल्पलाइन में 13 भाषाएँ- हिंदी, असमिया, तमिल, मराठी, ओडिया, तेलुगु, मलयालम, गुजराती, पंजाबी, कन्नड़, बंगाली, उर्दू और अंग्रेजी शामिल हैं।

83.

उत्तर: C

व्याख्या:

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (PMMVY):

- यह एक मातृत्व लाभ कार्यक्रम है, जिसे 1 जनवरी, 2017 से देश के सभी ज़िलों में लागू किया गया है।यह महिला और बाल विकास मंत्रालय (Ministry of Women and Child

Development) द्वारा संचालित एक केंद्र प्रायोजित योजना है। अत: कथन 1 सही है।

- इसमें गर्भवती महिलाओं को दी जाने वाली नकद राशि का हस्तांतरण सीधे उनके बैंक खाते में किया जाता है ताकि वे अपनी पोषण संबंधी ज़रूरतों को पूरा कर सकें और आंशिक रूप से उनके वेतन के नुकसान की भरपाई की जा सके।
- वे महिलाएँ जो केंद्र सरकार या राज्य सरकारों या सार्वजनिक उपक्रमों में नियमित रोज़गार में संलग्न हैं तथा किसी भी कानून के तहत समान लाभ प्राप्त करती हैं, को छोड़कर सभी गर्भवती महिलाएँ और स्तनपान कराने वाली माताएँ (Pregnant Women and Lactating Mothers- PW&LM) इस योजना के लिये पात्र हैं। अत: कथन 2 सही नहीं है।
  - ऐसी सभी पात्र गर्भवती महिलाएँ और स्तनपान कराने वाली माताएँ जिन्होंने परिवार में पहली संतान के लिये 1 जनवरी, 2017 को या उसके बाद गर्भधारण किया हो ।
- प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की कॉमन एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर (Common Application Software-PMMVY-CAS) के माध्यम से केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा योजना के कार्यान्वयन की बारीकी से निगरानी की जाती है। अत: कथन 3 सही है।

84.

उत्तर: C

व्याख्या:

- महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम (मनरेगा), जिसे महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी योजना (मनरेगा) के रूप में भी जाना जाता है, 25 अगस्त, 2005 को अधिनियमित कानून है।
  - नरेगा के कार्यान्वयन के लिये ग्रामीण विकास मंत्रालय नोडल एजेंसी है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- यह वैधानिक न्यूनतम मज़दूरी पर सार्वजनिक कार्य से संबंधित अकुशल शारीरिक कार्य करने के इच्छुक किसी भी ग्रामीण परिवार के वयस्क सदस्यों को एक वित्तीय वर्ष में 100 दिनों के रोज़गार की कानूनी गारंटी प्रदान करता है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- यह अधिनियम ग्रामीण भारत में गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले लोगों मुख्य रूप से अर्द्ध या अकुशल कार्य हेतु ग्रामीण लोगों की क्रय शक्ति में सुधार लाने के उद्देश्य से पेश किया गया था। यह देश में अमीर और गरीब के बीच की खाई को पाटने का प्रयास करता है। अत: कथन 3 सही है।

85.

उत्तर: B

व्याख्या:

सतत् विकास लक्ष्य (SDGs)

- वर्ष 2015 में संयुक्त राष्ट्र महासभा की 70वीं बैठक में '2030 सतत् विकास हेतु एजेंडा' के तहत सदस्य देशों द्वारा 17 विकास लक्ष्य अर्थात् एसडीजी (Sustainable Development goals-SDGs) तथा 169 प्रयोजन अंगीकृत किये गए हैं। जो लोगों और ग्रह के लिये वर्तमान एवं भविष्य में शांति व समृद्धि हेतु साझा खाका प्रदान करता है।
- इसके केंद्र में 17 सतत् विकास लक्ष्य (SDG) हैं, जो तत्काल कार्रवाई करने के लिये वैश्विक साझेदार सभी देशों (विकसित और विकासशील) का आह्वान करता हैं।
- ये लक्ष्य हैं:

केवल युग्म 1 और युग्म 2 सही सुमेलित हैं। अत: विकल्प B सही है।

86.

उत्तर: B

व्याख्या:

साइबर स्वच्छता केंद्र:

- साइबर स्वच्छता केंद्र (बॉटनेट सफाई और मैलवेयर विश्लेषण केंद्र) इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) के तहत भारत सरकार की डिजिटल इंडिया पहल का एक हिस्सा है ताकि भारत में बॉटनेट संक्रमणों का पता लगाकर एक सुरक्षित साइबर स्पेस बनाया जा सके और अंतिम उपयोगकर्त्ताओं की सफाई और सुरक्षा प्रणालियों को अधिसूचित, सक्षम किया जा सके ताकि आगे के संक्रमण को रोका जा सके। अत: कथन 1 सही है।
  - "साइबर स्वच्छता केंद्र" राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा नीति के उद्देश्यों के अनुसार स्थापित किया गया है, जिसमें देश में एक सुरक्षित साइबर इको सिस्टम बनाने की परिकल्पना की गई है।

साइबरडोम:

- साइबरडोम केरल पुलिस के लिये उत्कृष्टता का एक केंद्र है, जो आधुनिक दुनिया के डिजिटल क्षेत्र मी दीर्घकालिक सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिये साइबर स्पेस में नवीनतम परिवर्तनों तथा नवाचारों और उभरते साइबर खतरों का मुकाबला करने में केरल पुलिस के कौशल समुच्चय विकास के मध्य सामूहिक समन्वय स्थापित करने का प्रयास करता है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
    - यह सक्रिय रूप से साइबर अपराधों से निपटने के लिये साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में उच्च तकनीक युक्त सार्वजनिक-निजी साझेदारी केंद्र है। ताकि सूचनाओं के साथ-साथ संसाधनों को अभिसरण और साझा किया जा सके, जो हमारे साइबरस्पेस की सुरक्षा को बढ़ाएगा।

87.

उत्तर: C

व्याख्या:

- कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय ने शासन के सभी स्तरों पर ई-सरकार के प्रयासों को बढ़ावा देने तथा डिजिटल सरकार की उत्कृष्टता के लिये राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सेवा वितरण आकलन, 2021 जारी किया।
- इस ढाँचे में छह क्षेत्रों के तहत G2B (सरकार से व्यवसाय) और G2C (नागरिकों से सरकार) खंडों के तहत सेवाएँ शामिल हैं। ये हैं- वित्त, श्रम और रोज़गार, शिक्षा, स्थानीय सरकार एवं उपयोगिताएँ, समाज कल्याण (कृषि व स्वास्थ्य सहित) तथा पर्यावरण (अग्नि सहित) क्षेत्र।
- अत: विकल्प C सही है।

88.

उत्तर: B

व्याख्या:

- यह वरिष्ठ नागरिक कल्याण कोष से वित्तपोषित एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है। कोष को वर्ष 2016 मंत अधिसूचित किया गया था।
- इसका उद्देश्य गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) की श्रेणी के वरिष्ठ नागरिकों को शारीरिक सहायता और जीवन यापन के लिये आवश्यक उपकरण प्रदान करना है, जो कम दृष्टि, श्रवण दोष, दाँतों की हानि और चलने में अक्षम जैसी उम्र से संबंधित अक्षमताओं से पीड़ित हैं। अत: कथन 2 सही है लेकिन कथन 1 सही नहीं है।

89.

उत्तर: A

व्याख्या:

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन

- इसे सितंबर 2021 में प्रधानमंत्री द्वारा एक वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से लॉन्च किया गया था।
- इसका उद्देश्य सभी भारतीय नागरिकों को अस्पतालों, बीमा फर्मों और नागरिकों को आवश्यकता पड़ने पर इलेक्ट्रॉनिक रूप से स्वास्थ्य रिकॉर्ड तक पहुँचने में मदद करने हेतु डिजिटल स्वास्थ्य आईडी प्रदान करना है। अत: कथन 1 सही है।
- मिशन के पायलट प्रोजेक्ट की घोषणा प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त, 2020 को लाल किले की प्राचीर से की थी।
    - यह पायलट परियोजना छह राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में चरणबद्ध रूप में लागू की जा रही है
- इसकी कार्यान्वयन एजेंसी स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत स्थापित राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (NHA) होगी। अत: कथन 2 सही नहीं है।

90.

उत्तर: C

व्याख्या:

स्टार्ट-अप ग्राम उद्यमशीलता कार्यक्रम'(SVEP)

- SVEP के बारे में:
    - SVEP, ग्रामीण विकास मंत्रालय के तहत वर्ष 2016 से संचालित दीनदयाल अंत्योदय योजना- राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (Deendayal Antyodaya Yojana-National Rural Livelihood Mission- DAY-NRLM) का उप-घटक है। अत: कथन 1 सही है।
- उद्देश्य:
    - गरीबी से बाहर आने में ग्रामीण गरीबों का समर्थन करना।
    - व्यवसाय प्रबंधन और सॉफ्ट स्किल्स में वित्तीय सहायता एवं प्रशिक्षण के साथ स्वरोज़गार के अवसर प्रदान करना। अत: कथन 2 सही है।
    - उद्यमों को बढ़ावा देने हेतु स्थानीय सामुदायिक संवर्ग निर्मित करना।
- विशेषताएँ:
    - यह ग्रामीण स्टार्ट-अप के तीन प्रमुख स्तंभों अर्थात् वित्त, इन्क्यूबेशन और कौशल पारिस्थितिकी तंत्र को संबोधित करता है।
    - यह मुख्य रूप से विनिर्माण, व्यापार और सेवा क्षेत्रों में व्यक्तिगत एवं समूह दोनों प्रकार के उद्यमों को बढ़ावा देता है।
    - यह स्थानीय मांग और पारिस्थितिकी तंत्र के आधार पर व्यवसायों को लाभप्रद रूप में चलाने के लिये उद्यमियों की क्षमता के निर्माण पर निवेश करता है।

- व्यापार योजना और लाभ व हानि खाते की तैयारी जैसे तकनीकी पहलुओं के प्रसार में होने वाले नुकसान को कम करने हेतु मानक ई-लर्निंग मॉड्यूल बनाने के लिये सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (Information and Communication Technology- ICT) के उपयोग पर भी निवेश किया जाता है।

91.

उत्तर: B

व्याख्या:

- सिक्किम सरकार मुफ्त सैनिटरी पैड प्रदान करने हेतु वेंडिंग मशीन स्थापित करने के लिये एक योजना (बहिनी) की घोषणा करने को तैयार है।
- यह पहली बार है जब किसी राज्य सरकार ने कक्षा 9-12 में पढ़ने वाली सभी लड़कियों को इस प्रकार के कार्यक्रम के तहत कवर करने का निर्णय लिया है।
- उद्देश्य:
  - इसका उद्देश्य "माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जाने वाली लड़कियों को मुफ्त व सुरक्षित सैनिटरी पैड तक 100% पहुँच" प्रदान करना है।
  - इसका उद्देश्य स्कूलों से लड़कियों की ड्रॉपआउट को रोकना और मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में जागरूकता बढ़ाना भी है।
  - यह योजना सुलभ इंटरनेशनल के सहयोग से राज्य सरकार द्वारा 2018 में शुरू किये गए एक प्रयोग पर आधारित है, जहाँ कुछ स्कूलों में वेंडिंग मशीनें लगाई गई थीं।
- अत: विकल्प B सही है।

92.

उत्तर: C

व्याख्या:

'पीएम-दक्ष योजना':

- पीएम-दक्ष योजना वर्ष 2020-21 से लागू की गई है।
- इसके तहत पात्र लक्ष्य समूहों के कौशल विकास हेतु अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम जैसे अप-स्किलिंग/रिस्किलिंग; उद्यमिता विकास कार्यक्रम और दीर्घकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।
  - ये प्रशिक्षण कार्यक्रम सरकारी प्रशिक्षण संस्थानों, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय द्वारा गठित क्षेत्र कौशल परिषदों एवं अन्य विश्वसनीय संस्थानों के माध्यम से कार्यान्वित किये जा रहे हैं।
- अर्हता:
  - अनुसूचित जाति (SC), अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC), आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग, विमुक्त जनजाति, कचरा बीनने वाले, हाथ से मैला ढोने वाले, ट्रांसजेंडर और अन्य समान श्रेणियों के हाशिये पर रहने वाले व्यक्ति। अत: विकल्प C सही है।

93.

उत्तर: A

व्याख्या:

भारतीय नागरिक उड्डयन बाज़ार:

- भारत का नागरिक उड्डयन विश्व स्तर पर सबसे तेज़ी से बढ़ते विमानन बाज़ारों में से एक है और यह वर्ष 2024 तक भारत को 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का एक प्रमुख विकास इंजन होगा।
  - घरेलू हवाई यात्री यातायात का तीसरा सबसे बड़ा विमानन बाज़ार जो वित्त वर्ष 2015 में 274.05 मिलियन था। यह वित्तीय वर्ष 2016-2020 के दौरान 12.91% (लगभग 13%) की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) से बढ़ा। अत: कथन 1 सही है।
- भारत में नागरिक उड्डयन के 75 वर्षों में 75 हवाई अड्डे खोले गए, जबकि उड़े देश का आम नागरिक (उड़ान) के तत्त्वावधान में 3 वर्षों के भीतर 76 अनारक्षित/20 कम सेवा वाले हवाई अड्डों, 31 हेलीपोर्ट और 10 वाटर एयरोड्रोम को कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिये काम शुरू किया गया है।
- ग्राउंड हैंडलिंग सेवाओं और रखरखाव, मरम्मत सेवाओं (MRO) तथा ग्रीन एंड ब्राउनफील्ड दोनों परियोजनाओं के लिये स्वचालित मार्ग के तहत 100% प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
  - भारतीय नागरिक उड्डयन MRO बाज़ार वर्तमान में लगभग 900 मिलियन अमेरिकी डॉलर का है और वर्ष 2025 तक लगभग 14-15% CAGR से बढ़कर 4.33 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक बढ़ने का अनुमान है।

94.

उत्तर: A

व्याख्या:

- हाल ही में दुबई एक्सपो, 2020 में विदेशों में रह रहे भारतीयों को प्रशिक्षित करने के लिये कौशल भारत अंतर्राष्ट्रीय परियोजना 'तेजस' (अमीरात में नौकरियों और कौशल के लिये प्रशिक्षण) की शुरुआत की गई।

- परियोजना का उद्देश्य:
  - भारतीयों का कौशल, प्रमाणन और विदेशों में रोज़गार।
  - यूएई में बाज़ार की आवश्यकताओं के अनुसार भारतीय कामगारों को कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना।
  - प्रारंभिक चरण के दौरान संयुक्त अरब अमीरात में 10,000 भारतीयों का मज़बूत कार्यबल तैयार करना।
- अत: विकल्प A सही है।

95.

उत्तर: C

व्याख्या:

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (UNFPA):

- यह संयुक्त राष्ट्र महासभा का एक सहायक अंग है जो इसके यौन तथा प्रजनन स्वास्थ्य एजेंसी के रूप में काम करता है। UNFPA का जनादेश संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक परिषद (Economic and Social Council- ECOSOC) द्वारा स्थापित किया गया है। अत: कथन 1 सही है।
- इसे वर्ष 1967 में ट्रस्ट फंड के रूप में स्थापित किया गया था और इसका परिचालन वर्ष 1969 में शुरू हुआ।
  - इसे वर्ष 1987 में आधिकारिक तौर पर 'संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष' नाम दिया गया, लेकिन इसका संक्षिप्त नाम UNFPA (जनसंख्या गतिविधियों के लिये संयुक्त राष्ट्र कोष) को भी बरकरार रखा गया।
- UNFPA प्रत्यक्ष रूप से स्वास्थ्य संबंधी सतत् विकास लक्ष्य-3, शिक्षा संबंधी लक्ष्य-4 और लिंग समानता संबंधी लक्ष्य-5 के संबंध में कार्य करता है।
- UNFPA संयुक्त राष्ट्र के बजट द्वारा समर्थित नहीं है, इसके बजाय यह पूरी तरह से दाता सरकारों, अंतर-सरकारी संगठनों, निजी क्षेत्र और आम लोगों के स्वैच्छिक योगदान द्वारा समर्थित है। अत: कथन 2 सही है।
- जारी रिपोट: 'स्टेट ऑफ द वर्ल्ड पॉपुलेशन' रिपोर्ट

96.

उत्तर: C

व्याख्या:

विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन (OIE):

- OIE दुनिया भर में पशु स्वास्थ्य में सुधार के लिये ज़िम्मेदार एक अंतर-सरकारी संगठन है।
- वर्ष 2018 में इसमें कुल 182 सदस्य देश शामिल थे। भारत इनसदस्य देशों में से एक है। अत: कथन 2 सही है।
- OIE नियमों से संबंधित मानक दस्तावेज़ विकसित करता है जिनका उपयोग सदस्य देश बीमारियों और रोगजनकों से बचाव के लिये कर सकते हैं। उनमें से एक क्षेत्रीय पशु स्वास्थ्य संहिता भी है।
- OIE मानकों को विश्व व्यापार संगठन द्वारा संदर्भित अंतर्राष्ट्रीय स्वच्छता नियमों के रूप में मान्यता प्राप्त है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- इसका मुख्यालय पेरिस, फ्राँस में है। अत: कथन 3 सही है।

97.

उत्तर: B

व्याख्या:

E-2025 पहल:

- वर्ष 2017 में WHO द्वारा ई-2025 पहल की शुरुआत की गई। इस पहल का उद्देश्य वर्ष 2020 तक ऐसे देशों के समूह का समर्थन करना है जो अपने यहाँ मलेरिया के मामलों को ज़ीरो स्तर तक लाने हेतु प्रतिबद्ध हैं।
- इस पहल द्वारा पाँच क्षेत्रों में से कुल 21 देशों की पहचान की गई जहाँ मलेरिया को खत्म करने की संभावनाएँ विद्यमान थीं।
- 'ज़ीरोइंग इन ऑन मलेरिया एलिमिनेशन' नामक रिपोर्ट, ई -2025 पहल के तहत हुई अब तक मलेरिया उन्मूलन प्रगति को दर्शाती है।
- ई-2020 की सफलताओं को ध्यान में रखते हुए WHO द्वारा ऐसे 25 देशों के समूह की पहचान की गई है, जो आने वाले पाँच वर्षों में अपने यहाँ मलेरिया को पूरी तरह से समाप्त करने में सक्षम हैं।
- ई-2025 पहल में शामिल देशों को WHO और उसके सहयोगियों से तकनीकी और अन्य सहयोग प्राप्त होगा। बदले में इन देशों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रमों का प्रतिवर्ष ऑडिट करें, मलेरिया उन्मूलन से संबंधित मंचों पर साझेदारी करें, निगरानी व आकलन करें तथा मलेरिया से संबंधित मामले के आँकड़ों को समय-समय पर साझा करें।
- अत: विकल्प B सही है।

98.

उत्तर: C

व्याख्या:

- 'रीज़नेबल एकोमोडेशन' एक सिद्धांत है जो समानता को बढ़ावा देता है, सकारात्मक अधिकार प्रदान करने में सक्षम बनाता है और दिव्यांग, स्वास्थ्य की स्थिति या व्यक्तिगत विश्वास के आधार पर भेदभाव को रोकता है।
  - इसका उपयोग मुख्य रूप से दिव्यांगता अधिकार क्षेत्र (Disability Rights Sector) में होता है।

- यह दिव्यांग व्यक्तियों को समाज में उनकी पूर्ण और प्रभावी भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के लिये अतिरिक्त सहायता प्रदान करने हेतु राज्य एवं निजी संस्थानों के सकारात्मक दायित्व को दर्शाता है।
- यदि विकलांग व्यक्ति को कोई अतिरिक्त समर्थन नहीं दिया जाता है, तो संवैधानिक रूप से गारंटीकृत समानता के मौलिक अधिकार (अनुच्छेद-14), छह स्वतंत्रताओं (अनुच्छेद-19) और जीवन के अधिकार (अनुच्छेद-21) का महत्त्व नहीं रह जाएगा।
- अत: विकल्प C सही है।

99.

उत्तर: B

व्याख्या:

- यह गृह मंत्रालय के अधीन कार्य करता है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- जनसंख्या की गणना करने और देश में मृत्यु और जन्म के पंजीकरण के कार्यान्वयन के अलावा यह नमूना पंजीकरण प्रणाली (Sample Registration System-SRS) का उपयोग करके प्रजनन व मृत्यु दर के संबंध में अनुमान प्रस्तुत करता है। अत: कथन 2 सही है।
- SRS देश का सबसे बड़ा जनसांख्यिकीय नमूना सर्वेक्षण है जिसमें अन्य संकेतक राष्ट्रीय प्रतिनिधि नमूने के माध्यम से मातृ मृत्यु दर का प्रत्यक्ष अनुमान प्रदान करते हैं।

100.

उत्तर: A

व्याख्या:

- केंद्रीय जाँच ब्यूरो (CBI) की स्थापना वर्ष 1963 में गृह मंत्रालय के एक प्रस्ताव द्वारा की गई थी।
  - अब CBI कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (DoPT) के प्रशासनिक नियंत्रण में आता है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- CBI को दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 से जाँच संबंधी शक्ति प्राप्त होती है।
- भ्रष्टाचार की रोकथाम पर संथानम समिति (1962-1964) द्वारा CBI की स्थापना की सिफारिश की गई थी। अत: कथन 1 सही है
- CBI केंद्र सरकार की प्रमुख जाँच एजेंसी है।
  - यह केंद्रीय सतर्कता आयोग एवं लोकपाल को भी सहायता प्रदान करती है।
  - यह भारत में नोडल पुलिस एजेंसी भी है, जो इंटरपोल सदस्य देशों की ओर से जाँच का समन्वय करती है।

101.

उत्तर: B

व्याख्या:

- हाथ से मैला उठाने वाले कर्मियों के नियोजन का प्रतिषेध और उनका पुनर्वास (संशोधन) विधेयक, 2020:
  - इसमें सीवर की सफाई को पूरी तरह से मशीनीकृत करने, 'ऑन-साइट' सुरक्षा के उपाय करने और सीवर सफाई के दौरान होने वाली मौतों के मामले में मैनुअल स्कैवेंजर्स को मुआवज़ा प्रदान किये जाने का प्रस्ताव है। अत: कथन 2 सही है।
  - विधेयक में हाथ से मैला ढोने पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून के तहत कारावास की अवधि और जुर्माने की राशि को बढ़ाकर इसे और अधिक सख्त बनाने का प्रस्ताव है।
  - यह मैनुअल स्कैवेंजर्स के रूप में नियोजन का प्रतिषेध और उनका पुनर्वास अधिनियम, 2013 में संशोधन होगा। अत: कथन 1 सही नहीं है।
  - इसे अभी तक कैबिनेट से मंज़ूरी नहीं मिली है।

102.

उत्तर: A

व्याख्या

- मध्यस्थता एक स्वैच्छिक, बाध्यकारी प्रक्रिया है जिसमें एक निष्पक्ष और तटस्थ मध्यस्थ विवादित पक्षों के बीच समझौता कराने में मदद करता है। अत: कथन 1 सही है।
- मध्यस्थता एक संरचित प्रक्रिया है जहाँ एक तटस्थ व्यक्ति विशेष संचार और बातचीत तकनीकों का उपयोग करता है तथा मध्यस्थता प्रक्रिया में भाग लेने वाले पक्षों द्वारा स्पष्ट रूप से इसका समर्थन किया जाता है।
- यह एक निपटान प्रक्रिया है जिसके द्वारा विवादित पक्ष परस्पर स्वीकार्य समझौतों पर पहुँचते हैं।
- मध्यस्थता के अलावा कुछ अन्य विवाद समाधान विधियाँ जैसे- विवाचन (Arbitration), बातचीत (Negotiation) और सुलह (Conciliation) हैं।

मध्यस्थता से संबंधित कानूनी प्रावधान:

- भारत में मध्यस्थता मुख्य रूप से दो विधायी कानूनों द्वारा शासित होती है। नागरिक प्रक्रिया संहिता, 1908 तथा मध्यस्थता एवं सुलह अधिनियम, 1996 (ACA)। अत: कथन 2 सही नहीं है।

103.

उत्तर: A

व्याख्या:

मध्याह्न भोजन योजना:

- मध्याह्न भोजन योजना के बारे में: यह दुनिया में अपनी तरह का सबसे बड़ा स्कूल फीडिंग प्रोग्राम है, जिसमें कक्षा 1 से 8 तक के

सरकारी स्कूलों में नामांकित छात्रों को शामिल किया गया है। अत: कथन 2 सही नहीं है।

- इस योजना का मूल उद्देश्य स्कूलों में नामांकन को बढ़ाना है।

- नोडल मंत्रालय: शिक्षा मंत्रालय। अत: कथन1 सही है।
- पृष्ठभूमि: यह कार्यक्रम पहली बार वर्ष 1925 में मद्रास नगर निगम में वंचित बच्चों के लिये शुरू किया गया था।
  - वर्ष 1995 में केंद्र सरकार ने कक्षा 1 से 5 तक के बच्चों के लिये प्रायोगिक आधार पर केंद्र प्रायोजित योजना के रूप में इसकी शुरुआत की।
  - अक्तूबर 2007 तक MDMS को कक्षा 8 तक के लिये बढ़ा दिया गया था।

104.

उत्तर: A

व्याख्या:

- राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण (NALSA) का गठन कानूनी सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के तहत किया गया था, जो 9 नवंबर, 1995 को समाज के सुभेद्य वर्गों को मुफ्त एवं सक्षम कानूनी सेवाएँ प्रदान करने हेतु एक राष्ट्रव्यापी नेटवर्क स्थापित करने के लिये लागू हुआ था। अत: कथन 1 सही है।
- भारत के मुख्य न्यायाधीश संरक्षक-इन-चीफ हैं और भारत के सर्वोच्च न्यायालय के दूसरे वरिष्ठतम न्यायाधीश प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष हैं। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- संविधान का अनुच्छेद 39A समाज के गरीब और सुभेद्य वर्गों को समान अवसर के आधार पर न्याय को बढ़ावा देने के लिये मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करता है। अनुच्छेद-14 और अनुच्छेद-22 (1) राज्य को कानून के समक्ष समानता सुनिश्चित करने हेतु बाध्य करते हैं।
- नालसा और उसके नेटवर्क द्वारा निभाई गई भूमिका सतत् विकास लक्ष्य-16 को प्राप्त करने में बहुत प्रासंगिक है, जो 'स्थायी विकास हेतु शांतिपूर्ण एवं समावेशी समाजों को बढ़ावा, सभी के लिये न्याय तक पहुँच सुनिश्चित करने पर ज़ोर देता है।

105.

उत्तर: B

व्याख्या:

- पोलियो अपंगता का कारक और एक संभावित घातक वायरल संक्रामक रोग है जो तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- प्रतिरक्षात्मक रूप से मुख्यत: पोलियो वायरस के तीन अलग-अलग उपभेद हैं:
  - वाइल्ड पोलियो वायरस 1 (WPV1)
  - वाइल्ड पोलियो वायरस 2 (WPV2)
  - वाइल्ड पोलियो वायरस 3 (WPV3)
- यह वायरस मुख्य रूप से 'मलाशय-मुख मार्ग' (Faecal-Oral Route) के माध्यम से या दूषित पानी या भोजन के माध्यम से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है।
- यह मुख्यत: 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को प्रभावित करता है।
- दुर्लभ मामलों में पोलियो संक्रमण के कारण माँसपेशियों में पक्षाघात होता है।
- इसका कोई इलाज नहीं है लेकिन टीकाकरण से इसे रोका जा सकता है। अत: कथन 2 सही है।
- टीकाकरण:
  - ओरल पोलियो वैक्सीन (OPV): यह संस्थागत प्रसव के दौरान जन्म के समय ही दी जाती है, उसके बाद प्राथमिक तीन खुराक 6, 10 और 14 सप्ताह में और एक बूस्टर खुराक 16-24 महीने की उम्र में दी जाती है।
  - इंजेक्टेबल पोलियो वैक्सीन (IPV): इसे सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (UIP) के तहत DPT (डिप्थीरिया, पर्टुसिस और टेटनस) की तीसरी खुराक के साथ एक अतिरिक्त खुराक के रूप में दिया जाता है।

106.

उत्तर: (b)

व्याख्या:

आँगनवाड़ी योजना:

- आँगनवाड़ी राज्यों अथवा केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा कार्यान्वित एक केंद्र प्रायोजित योजना है जो भारत में ग्रामीण बच्चों और मातृ देखभाल केंद्र के रूप में कार्य करती है
- एक कार्यक्रम के तौर पर इसकी शुरुआत भारत सरकार द्वारा वर्ष 1975 में बाल कुपोषण की समस्या से निपटने के लिये की गई थी। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- आँगनवाड़ी केंद्र छह सेवाओं का पैकेज प्रदान करते हैं: पूरक पोषण, स्कूल पूर्व अनौपचारिक शिक्षा, टीकाकरण, स्वास्थ्य जाँच, पोषण और स्वास्थ्य शिक्षा, तथा परामर्श सेवाएँ।
- आँगनवाड़ी सेवा योजना के तहत लाभार्थियों की पहचान आधार के माध्यम से की जाती है। अत: कथन 2 सही है।

107.

उत्तर: C

व्याख्या:

धारा 144:

- परिचय:
  - यह कानून भारत में किसी भी राज्य या केंद्रशासित प्रदेश के

मजिस्ट्रेट को एक निर्दिष्ट क्षेत्र में चार या अधिक लोगों के इकट्ठा होने पर रोक लगाने का आदेश पारित करने का अधिकार देता है।

- यह उन उपद्रव या किसी घटना के संभावित खतरे के मामलों में लगाया जाता है जिसमें मानव जीवन को परेशानी या संपत्ति को क्षति पहुँचाने की संभावना होती है।
- यह आदेश किसी विशेष व्यक्ति या आम जनता के खिलाफ पारित किया जा सकता है। अत: कथन 1 सही है।

- धारा 144 की विशेषताएँ:
  - यह दिये गए क्षेत्राधिकार में किसी भी प्रकार के हथियार रखने या ले जाने पर प्रतिबंध लगाता है।
    - इस तरह के कृत्य के लिये अधिकतम दंड तीन वर्ष है।
  - इस धारा केअंतर्गत पारितआदेश के अनुसार, जनता की आवाजाही नहीं होगी और सभी शिक्षण संस्थान बंद रहेंगे। अत: कथन 2 सही नहीं है।
  - साथ ही इस आदेश के संचालन की अवधि के दौरान किसी भी प्रकार की जनसभा या रैलियाँ करने पर पूर्ण रोक होती है।
  - कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा किसी गैर-कानूनी सभा को भंग न करना एक दंडनीय अपराध माना जाता है।
  - यह अधिकारियों को क्षेत्र में इंटरनेट एक्सेस को ब्लॉक करने का अधिकार भी देता है।
  - धारा 144 का अंतिम उद्देश्य उन क्षेत्रों में शांति और व्यवस्था बनाए रखना है जहाँ देनिक गतिविधियों को बाधित करने से परेशानी हो सकती है।
- धारा 144 के आदेश की अवधि:
  - इस धारा के तहत कोई भी आदेश 2 महीने से अधिक की अवधि के लिये लागू नहीं हो सकता है। अत: कथन 3 सही है।
  - राज्य सरकार के विवेक के तहत इसकी वैधता को दो और महीनों के लिये बढ़ाया जा सकता है जिसकी वैधता अधिकतम छह महीने तक हो सकती है।
  - स्थिति सामान्य होने पर धारा 144 को वापस लिया जा सकता है।

108.

उत्तर: B

व्याख्या:

- हाल ही में 'यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन' ने मेन्थॉल सिगरेट और 'फ्लेवर्ड' सिगार पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव जारी किया।
  - भारत ने मेन्थॉल सिगरेट की बिक्री पर अभी तक प्रतिबंध नहीं लगाया है। अत: कथन 1 एक सही है।
  - वर्ष 2012 में ब्राज़ील मेन्थॉल सिगरेट पर प्रतिबंध लगाने वाला दुनिया का पहला देश बना। अत: कथन 2 सही नहीं है।
  - वर्ष 2019 में केंद्र ने इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट पर प्रतिबंध लगा दिया और इसके अलावा सार्वजनिक स्थानों पर 'फ्लेवर्ड' हुक्का सहित हुक्का सेवन पर प्रतिबंध लगाने के लिये विभिन्न राज्यों के अपने नियम हैं।.
- मेन्थॉल, अपने स्वाद और सुगंध के साथ "धूम्रपान की जलन और कड़वाहट को कम करता है।
    - मेन्थॉल सिगरेट खासकर युवाओं को आकर्षित करता है और इसका उपयोग भी आसान होता है।

अत: विकल्प B सही उत्तर है।

109.

उत्तर: C

व्याख्या:

MSME सस्टेनेबल (ZED) प्रमाणन योजना:

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय ने MSME सस्टेनेबल (ZED- Zero Defect Zero Effect) प्रमाणन योजना शुरू की है।

- यह योजना MSME को ZED विधियों और ZED प्रमाणन को अपनाने में सक्षम बनाने व सुविधा प्रदान के साथ उन्हें MSME चैंपियन बनने के लिये प्रेरित तथा प्रोत्साहित करती है। अत: कथन 1 सही है।
- ZED शपथ लेने और पंजीकरण करने के बाद MSME सस्टेनेबल (ZED) प्रमाणन तीन स्तरों में प्राप्त किया जा सकता है:

- प्रमाणन स्तर 1: ब्रोंज़
- प्रमाणन स्तर 2: सिल्वर
- प्रमाणन स्तर 3: गोल्ड अत: कथन 2 सही है।
  - ZED शपथ लेने के बाद MSME किसी भी प्रमाणन स्तर के लिये आवेदन कर सकता है यदि उसे लगता है कि वह प्रत्येक स्तर में आवश्यक शर्तों को पूरा करता है।
  - ZED शपथ लेने का अर्थ है कि एमएसएमई को ज़ीरो इफ़ेक्ट ज़ीरो डिफेक्ट के मूल्यों का अनुसरण करने एवं ZED के मार्ग में आगे बढ़ने हेतु "पूर्व-प्रतिबद्धता" लेनी है।

110.

उत्तर: C

व्याख्या

- आँगनवाड़ी सेवाएँ (अम्ब्रेला समेकित बाल विकास योजना) निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा कार्यान्वित एक केंद्र प्रायोजित योजना है:

- 0-6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार करना। अत: विकल्प 1 सही नहीं है।
- बच्चे के उचित मनोवैज्ञानिक, शारीरिक और सामाजिक विकास की नींव रखना। अत: विकल्प 2 सही है।
- मृत्यु दर, रुग्णता, कुपोषण और स्कूल छोड़ने की घटनाओं को कम करना। अत: विकल्प 3 सही है।
- बाल विकास को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न विभागों के बीच नीति और कार्यान्वयन का प्रभावी समन्वय स्थापित करना।
- माता में उचित पोषण और स्वास्थ्य शिक्षा के माध्यम से बच्चों के सामान्य स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी आवश्यकताओं की देखभाल करने की क्षमता बढ़ाना।
- किशोर लड़कियों (AGs) को सुविधा प्रदान करना, उन्हें शिक्षित और सशक्त बनाना ताकि वे आत्मनिर्भर एवं जागरूक नागरिक बन सकें।

111.

उत्तर: C

व्याख्या:

- हाल ही में सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) ने 'e-DAR' (ई-विस्तृत दुर्घटना रिपोर्ट) नामक पोर्टल विकसित किया है।
- यह पोर्टल सड़क दुर्घटनाओं की तत्काल जानकारी प्रदान करता है और दुर्घटना के मुआवज़े दावों को तेज़ी से निपटाने में मदद करता है ताकि पीड़ित परिवारों को राहत मिल सके।
- पोर्टल को अन्य सरकारी पोर्टलों से जोड़ा जाएगा जिससे वाहन या ड्राइविंग लाइसेंस संबंधी विवरण तथा वाहनों के पंजीकरण के बारे में जानकारी प्राप्त की जाएगी।
- इसके अंतर्गत दुर्घटना हॉटस्पॉट की भी पहचान की जाएगी ताकि इन हॉटस्पॉट पर दुर्घटनाओं से बचने हेतु समाधान प्राप्त किया जा सके।
- अत: विकल्प C सही है

112.

उत्तर: D

व्याख्या:

- दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 भारत में किसी भी राज्य या केंद्रशासित प्रदेश के मजिस्ट्रेट को एक निर्दिष्ट क्षेत्र में चार या अधिक लोगों के एकत्रित होने पर रोक लगाने के आदेश को पारित करने का अधिकार देती है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- यह धारा ज़िला मजिस्ट्रेट, उप-विभागीय मजिस्ट्रेट या राज्य सरकार द्वारा किसी कार्यकारी मजिस्ट्रेट को हिंसा या उपद्रव की स्थिति में तात्कालिक प्रावधान लागू करने का अधिकार प्रदान करती है।
- इस धारा के तहत जारी कोई भी आदेश सामान्यत: 2 माह से अधिक समय तक लागू नहीं रह सकता है।
- हालाँकि इस अवधि की समाप्ति के बाद राज्य सरकार के विवेकाधिकार के तहत आदेश की अवधि को दो और माह के लिये बढाया जा सकता है, किंतु इसकी अधिकतम अवधि छह माह से अधिक नहीं हो सकती है। अत: कथन 2 सही नहीं है।

113.

उत्तर: A

व्याख्या:

भारत का रजिस्ट्रार जनरल::

- जनगणना संगठन की स्थापना 1951 की जनगणना तक प्रत्येक जनगणना के लिये तदर्थ आधार पर की गई थी।
  - वर्ष 1949 में रजिस्ट्रार जनरल और पदेन जनगणना आयुक्त (Ex-Officio Census) के तहत भारत की जनसंख्या के आकार, इसकी वृद्धि आदि पर आँकड़ों के व्यवस्थित संग्रह हेतु भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा एक संगठन की स्थापना की गई।
  - बाद में इस कार्यालय को देश में जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 के कार्यान्वयन की ज़िम्मेदारी भी सौंपी गई।
- यह भारत की जनगणना और भारतीय भाषा सर्वेक्षण सहित भारत के जनसांख्यिकीय सर्वेक्षणों के परिणामों की व्यवस्था, संचालन और विश्लेषण का कार्य करता है। अत: कथन 1 सही है।
- रजिस्ट्रार का पद आमतौर पर एक सिविल सेवक (संयुक्त सचिव स्तर का अधिकारी) के पास होता है। अत: कथन 2 सही नहीं है।

114.

उत्तर: B

व्याख्या:

भारत में गर्भपात संबंधी कानून:

- भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 312 के तहत गर्भपात एक अपराध है। अत: कथन 1 सही है।
- हालाँकि मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी एक्ट, 1971 (MTP) और इसका संशोधन केवल अपराधीकरण को अपवाद की स्थिति प्रदान करता है।
- MTP अधिनियम, 1971 गर्भावस्था के 20 सप्ताह तक गर्भपात की अनुमति देता है।
- लेकिन केवल विशेष श्रेणी की गर्भवती महिलाओं जैसे कि बलात्कार या अनाचार से प्रभावित के लिये (वह भी दो पंजीकृत डॉक्टरों की मंज़ूरी के साथ) वर्ष 2021 में एक संशोधन के माध्यम से गर्भपात

की सीमा को बढ़ाकर 24 सप्ताह कर दिया गया था। अत: कथन 2 सही नहीं है।

- भ्रूण की विकलांगता के मामले में गर्भपात की कोई समय-सीमा नहीं है, लेकिन राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की सरकारों द्वारा गठित विशेषज्ञ डॉक्टरों के एक मेडिकल बोर्ड द्वारा इसकी अनुमति दी जाती है। अत: कथन 3 सही है।

115.

उत्तर: A

व्याख्या:

- हाल ही में राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS-5) के पाँचवें दौर के दूसरे चरण की राष्ट्रीय रिपोर्ट जारी की गई है।
  - राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (National Family Health Survey- NFHS) बड़े पैमाने पर किया जाने वाला एक बहु-स्तरीय सर्वेक्षण है जो पूरे भारत में परिवारों के प्रतिनिधि नमूने के रूप में किया जाता है।
- NFHS के उत्तरोत्तर चरण का मुख्य उद्देश्य भारत में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण एवं अन्य उभरते क्षेत्रों से संबंधित विश्वसनीय व तुलनीय डेटा प्रदान करना है। अत: कथन 1 सही है।
- NFHS-4 की तुलना में NFHS-5 में अधिकतर राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में अधिक वज़न या मोटापे की व्यापकता बढ़ी है।
  - राष्ट्रीय स्तर पर यह महिलाओं में 21 प्रतिशत से बढ़कर 24 प्रतिशत और पुरूषों में 19 प्रतिशत से बढ़कर 23 प्रतिशत हो गया। अत: कथन 2 सही नही है।
- NFHS-4 और NFHS-5 के मध्य राष्ट्रीय स्तर पर कुल प्रजनन दर (TFR) 2.2 से घटकर 2.0 हो गई है।
  - भारत में केवल पाँच राज्य हैं जो 2.1 प्रजनन क्षमता के प्रतिस्थापन स्तर से ऊपर हैं। ये राज्य हैं- बिहार, मेघालय, उत्तर प्रदेश, झारखंड और मणिपुर।अत: कथन 3 सही नही है।
- अत: विकल्प A सही है।

116.

उत्तर:C

व्याख्या:

CDS की भूमिका:

- CDS 'चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी' के स्थायी अध्यक्ष के रूप में कार्य करता है जिसमें तीनों सेवाओं के प्रमुख भी सदस्य होंगे। अत: कथन 1 सही है।
- उसका मुख्य कार्य भारतीय सेना की त्रि-सेवाओं के बीच अधिक-से-अधिक परिचालन तालमेल को बढ़ावा देना और अंतर-सेवा विरोधाभास को कम-से-कम करना है।
- वह रक्षा मंत्रालय में नवनिर्मित सैन्य मामलों के विभाग (DMA) का प्रमुख भी है।
  - DMA के प्रमुख के तौर पर CDS को चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी के स्थायी अध्यक्ष के रूप में अंतर-सेवा खरीद निर्णयों को प्राथमिकता देने का अधिकार प्राप्त है।
  - वह परमाणु कमान प्राधिकरण (NCA) में सलाहकार की भूमिका भी निभाएगा। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- CDS को तीनों प्रमुखों को निर्देश देने का अधिकार भी दिया गया है।
  - हालाँकि उसे किसी भी सेना के कमांड का अधिकार प्राप्त नहीं है।अत: कथन 3 सही नहीं है।
- CDS का पद समकक्षों में प्रथम है, उसे DoD (रक्षा विभाग) के भीतर सचिव का पद प्राप्त है और उसकी शक्तियाँ केवल राजस्व बजट तक ही सीमित रहेंगी।

अत: विकल्प C सही है।

117.

उत्तर: A

व्याख्या:

- भारतीय प्रतिस्पर्द्धा आयोग एक सांविधिक निकाय है जो प्रतिस्पर्द्धा अधिनियम, 2002 के उद्देश्यों को लागू करने के लिये उत्तरदायी है। इसका विधिवत गठन मार्च 2009 में किया गया था। अत: कथन 1 सही है।
- प्रतिस्पर्द्धा अधिनियम के अनुसार, आयोग में एक अध्यक्ष और छह सदस्य होते हैं जिन्हें केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किया जाता है। अत: कथन 2 सही नहीं है।

118.

उत्तर: C

व्याख्या:

दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016:

- परिभाषा:
  - दिव्यांगता को एक विकसित और गतिशील अवधारणा के आधार पर परिभाषित किया गया है।
  - बेंचमार्क दिव्यांगता से तात्पर्य अधिनियम के तहत मान्यता प्राप्त किसी भी प्रकार की कम-से-कम 40% दिव्यांगता से है।
- प्रकार:
  - दिव्यांगों के प्रकार को 7 से बढ़ाकर 21 कर दिया गया है। अत: कथन 1 सही है।
  - इस अधिनियम में मानसिक बीमारी, ऑटिज़्म, स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर, सेरेब्रल पाल्सी, मस्कुलर डिस्ट्रॉफी, क्रोनिक

न्यूरोलॉजिकल बीमारियाँ, भाषा दिव्यांगता, थैलेसीमिया, हीमोफिलिया, सिकल सेल रोग, बहरा, अंधापन, एसिड अटैक पीड़ितों और पार्किंसंस रोग सहित कई दिव्यांगताएँ शामिल हैं।
  - इसके अलावा सरकार को निर्दिष्ट दिव्यांगता की किसी अन्य श्रेणी को अधिसूचित करने के लिये भी अधिकृत किया गया है।
- आरक्षण:
  - दिव्यांगों के लिये सरकारी नौकरियों में आरक्षण को 3% से बढ़ाकर 4% और उच्च शिक्षा संस्थानों में 3% से बढ़ाकर 5% कर दिया गया है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- शिक्षा:
  - बेंचमार्क दिव्यांगता वाले 6 से 18 वर्ष की आयु के प्रत्येक बच्चे को निशुल्क शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है। समावेशी शिक्षा प्रदान करने के लिये सरकार द्वारा वित्तपोषित एवं मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थानों की आवश्यकता होगी। अत: कथन 3 सही है।
- सुगम्यता:
  - सुगम्य भारत अभियान के साथ-साथ सार्वजनिक भवनों में निर्धारित समय सीमा में पहुँच सुनिश्चित करने पर ज़ोर दिया गया है।
- नियामक निकाय:
  - दिव्यांग व्यक्तियों के लिये मुख्य आयुक्त और राज्य आयुक्त अधिनियम के कार्यान्वयन की निगरानी के लिये नियामक एवं शिकायत निवारण निकायों के रूप में कार्य करेंगे।
- विशेष कोष:
  - दिव्यांग व्यक्तियों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिये एक अलग राष्ट्रीय और राज्य कोष बनाया जाएगा।

119.

उत्तर: B

व्याख्या:

- केंद्रीय बजट 2021-22 में घोषित स्वच्छ भारत मिशन शहरी 2.0, स्वच्छ भारत मिशन शहरी के प्रथम चरण की एक निरंतर श्रृंखला है।
- सरकार शौचालयों के माध्यम से सुरक्षित प्रवाह, मल कीचड़ के निपटान और सेप्टेज का उपयोग करने का भी प्रयास कर रही है।
- शहरी भारत को खुले में शौच से मुक्त (ODF) बनाने और नगरपालिका के ठोस कचरे का 100% वैज्ञानिक प्रबंधन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 2 अक्तूबर, 2014 को SBM-U का पहला चरण शुरू किया गया था जो अक्तूबर 2019 तक चला।
- इसे 1.41 लाख करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ वर्ष 2021 से वर्ष 2026 तक पाँच वर्षों में लागू किया जाना है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- इस मिशन को "अपशिष्ट से धन"(Waste to Wealth) और "चक्रीय अर्थव्यवस्था" के व्यापक सिद्धांतों के तहत कार्यान्वित किया जा रहा है। अत: कथन 2 सही है।